संस्थापक : स्व . श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
सोमवार
2 नवंबर, 2026
वर्ष:25 अंक: 130
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

हरियाणा की पहचान केवल उपलब्धियों से नहीं, बल्कि कर्म, कर्तव्यनिष्ठा और सांस्कृतिक मूल्यों की समृद्ध परंपरा से भी है - राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष



पेज-8

मोटी-मोटी बातें

PGI चंडीगढ़ उठाएगा पंचकूला के स्कूल में घायल बच्ची के इलाज का पूरा खर्च

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंचकूला के एक स्कूल में कथित हमले में गंभीर रूप से घायल छह वर्षीय बच्ची के इलाज का पूरा खर्च पीजीआई चंडीगढ़ उठाएगा। संस्थान में उसका उपचार पूरी तरह मुफ्त किया जा रहा है। पीजीआई निदेशक प्रो. विवेक लाल ने बच्ची से मुलाकात कर उसकी सेहत की जानकारी ली और उपचार कर रही डॉक्टरों की टीम से बातचीत की।



प्रो. विवेक लाल ने कहा कि पीजीआई की जिम्मेदारी केवल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि मुश्किल समय में मरीज और उसके परिवार के साथ खड़ा होना भी संस्थान का दायित्व है। बच्ची के साथ हुई घटना बेहद चिंताजनक है। संस्थान यह सुनिश्चित कर रहा है कि उसे बेहतर इलाज के साथ जरूरी सुविधाएं और सहायता मिले।

निदेशक के निर्देश पर बच्ची को उपचार के दौरान आराम और निजता सुनिश्चित करने के लिए निजी कमरा भी उपलब्ध कराया गया है। विशेषज्ञ डॉक्टरों की बहुविषयक टीम उसकी स्थिति पर लगातार नजर रख रही है और जरूरी चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करा रही है।

गौरतलब है कि 28 अक्तूबर को पंचकूला के एक स्कूल में कक्षा के भीतर आठ वर्षीय बालक द्वारा कथित तौर पर हमला किए जाने से बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई थी। उसे विशेष उपचार के लिए पीजीआई रेफर किया गया था। फिलहाल उसका इलाज विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में चल रहा है।

पंजाब में AAP को बड़ा झटका, दो मौजूदा विधायकों ने दिया इस्तीफा



मोहाली- पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। पार्टी की ओर से 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी किए जाने के बाद दो मौजूदा विधायकों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इनमें समाना से विधायक चेतन सिंह जौड़ामाजरा और सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा शामिल हैं।

दोनों विधायकों के रविवार को भाजपा में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। दोनों आज चंडीगढ़ में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में भाजपा का दामन थाम सकते हैं। पार्टी छोड़ने के कारणों का खुलासा करने के लिए दोनों विधायकों ने शाम साढ़े चार बजे चंडीगढ़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है।

चेतन सिंह जौड़ामाजरा आम आदमी पार्टी की सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रह चुके हैं। पार्टी ने कुछ समय पहले उन्हें पूर्व अकाली नेता सुरजीत सिंह रखड़ा की जगह समाना विधानसभा क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी थी। वहीं, सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा भी लंबे समय से पार्टी नेतृत्व के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर करते रहे हैं।

दो विधायकों के इस्तीफे से पंजाब में चुनाव से पहले सियासी समीकरण बदलने के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि, भाजपा में उनकी औपचारिक एंट्री और इस्तीफे के कारणों को लेकर दोनों की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

घर जाने का इंतजार कर रहे तीन भाई-बहनों को कार ने कुचला, एक बहन की मौत; 2 की हालत गंभीर

रेवाड़ी: खेत से घर जाने का इंतजार कर रहे तीन भाई-बहनों को एक तेज रफ्तार कार ने कुचल दिया। जिसमें बहन की मौत हो गई और भाई-बहन गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही बावल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे के बाद कार चालक फरार हो गया। यह हादसा रविवार की शाम को बावल के प्राणपुरा रोड पर गांव तिहाड़ा के पास पेश आया।

समाचारों के अनुसार तिहाड़ा गांव की 20 वर्षीय प्रीति अपने 12 वर्षीय भाई शुभम व 17 वर्षीय 10वीं कक्षा की छात्रा गरिमा के साथ अपने खेत पर गई थी। शाम को खेत से घर लौटने के लिए तीनों सड़क किनारे खड़े होकर अपने गांव के एक युवक का इंतजार कर रहे थे। इस युवक को तीनों भाई-बहनों को अपने साथ ले जाना था।

इस दौरान गांव की तरफ जा रही एक तेज रफ्तार कार ने तीनों भाई-बहनों को अपनी चपेट में ले लिया और उन्हें गंभीर रूप से घायल कर चालक कार सहित फरार हो गया। तीनों के चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा हुए। उन्हें तुरंत बावल के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उपचार के दौरान गरिमा की मौत हो गई।

प्रीति व शुभम की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे की खबर जैसे ही परिजनों को मिली तो वहां मातम छा गया। सूचना मिलते बावल थाना पुलिस दलबल सहित मौके पर पहुंची। बावल थाना प्रभारी ने कहा कि फरार कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी गिरफ्तार के प्रयास किये जा रहे हैं। घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित किये जा रहे हैं।

मोदी ने राज्य स्थापना दिवस पर छह राज्यों को दीं शुभकामनाएं

नयी दिल्ली- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को स्थापना दिवस मना रहे पांच राज्यों कर्नाटक, केरलम, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा और तमिलनाडु की विशिष्ट सांस्कृतिक परंपराओं तथा सामाजिक एवं आर्थिक क्षेत्र में उनकी प्रगति को याद करते हुए इन राज्यों के लोगों के सुख-समृद्धि की कामना की। मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल का गठन आज की ही तिथि को 1956 में किया गया था। हरियाणा की स्थापना 1966 तथा छत्तीसगढ़ का गठन 2001 में हुआ। कर्नाटक में आज का दिन 'कन्नड़ राज्योत्सव' के रूप में और केरलम में 'केरलप्पिरावी' के रूप में मनाया जाता है।

हरियाणा ने 60 वर्षों में प्रगति का लंबा सफर तय किया, अब देश का पहला विकसित राज्य बनाने का संकल्प: नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा ने अपने गठन के 60 वर्षों में प्रगति का लंबा सफर तय किया है। वर्तमान प्रदेश सरकार ने हरियाणा को देश का पहला विकसित राज्य बनाने का संकल्प लिया है, इसी ध्येय के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के विजन को साकार करने में हरियाणा अग्रणी भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री रविवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हीरक जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। समारोह में हरियाणा के राज्यपाल प्रो असीम कुमार घोष की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति का गीता की पावन धरती पर स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि उनका इस ऐतिहासिक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना प्रदेशवासियों के लिए गर्व और गौरव का



विषय है।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति की जीवन यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि ओडिशा के मयूरभंज जिले के छोटे से गांव उपरबेड़ा से देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने का उनका सफर भारतीय लोकतंत्र की शक्ति और संविधान की गरिमा का प्रतीक है। उनकी यह प्रेरणादायी यात्रा देश की प्रत्येक बेटी, गरीब परिवार और आदिवासी समाज के लिए उम्मीद, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की प्रेरणा है।

गीता की धरती कुरुक्षेत्र से मिलता है कर्तव्य और लोक कल्याण का संदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुरुक्षेत्र केवल एक शहर नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना का केंद्र है। इसी पावन भूमि पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता के माध्यम से कर्तव्य, साहस और लोक कल्याण का दिव्य संदेश दिया था। उन्होंने राष्ट्रपति की वर्ष 2022 में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के अवसर पर कुरुक्षेत्र यात्रा का स्मरण करते हुए कहा कि उस समय राष्ट्रपति ने गीता को मानवता के लिए आध्यात्मिक प्रकाश और जीवन को दिशा देने वाला महान ग्रंथ बताया था। आज उनकी पुनः उपस्थिति इस पावन भूमि के लिए विशेष गौरव का अवसर है।

किसानों, जवानों, खिलाड़ियों और मातृशक्ति के परिश्रम से बनी हरियाणा की पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1 नवंबर, 1966 को हरियाणा का गठन हुआ था। उस समय प्रदेश को पिछड़े क्षेत्र के रूप में देखा जाता था, लेकिन आज हरियाणा देश के अग्रणी और तेजी से विकास करने वाले राज्यों में शामिल है। यह उपलब्धि प्रदेश के किसानों, मजदूरों, उद्योगपतियों, व्यापारियों, खिलाड़ियों और माताओं-बहनों के अथक परिश्रम का परिणाम है।

यूक्रेन की ऊर्जा व्यवस्था को तबाह कर रहा है रूस, अंधेरे में हजारों परिवार : जेलेंस्की



कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि शनिवार रात रूस ने निप्रो, विन्नित्सिया, जाइटॉमिर और खमेलनित्स्की में हमारे ऊर्जा व्यवस्था पर हमला कथिा। उन्होंने बताया कि देश के अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों को भी रूस लगातार नशिाना बना रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर यह जानकारी दी। उन्होंने पोस्ट किया, 'रूस ने चार क्षेत्रों निप्रो, विन्नित्सिया, जाइटॉमिर और खमेलनित्स्की में हमारे ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमला किया। लोगों के घरों तक बिजली पहुंचाने वाले सबस्टेशन, ट्रांसफॉर्मर और बिजली की लाइनें निशाना बनाई गईं। मरम्मत दल हर जगह काम कर रहे हैं। फिलहाल लाखों तो नहीं, सैकड़ों-हजारों परिवार अब भी बिजली के बिना हैं।'' राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन के अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर भी रूस के बड़े हमले लगातार जारी हैं। पिछले एक हफ्ते में रूस ने यूक्रेन पर हमला करने वाले 1,940 ड्रोन, 1,580 से ज्यादा गाइडेड एरियल बम और विभिन्न प्रकार की 44 मिसाइलें दागी हैं, जिनमें 36 बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल हैं। हमलों की तीव्रता बेहद ज्यादा है और रूस बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने वाले इंटरसेप्टरों की कमी का पूरा फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है।

उन्होंने कहा कि हम हर दिन अमेरिका, यूरोप और उन अन्य साझेदार देशों से पैट्रियट मिसाइलों की जरूरत के बारे में बात कर रहे हैं जो हमारी मदद कर सकते हैं।

CBI की बड़ी कामयाबी, महादेव ऐप प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को ओमान से भारत लाई टीम

रायपुर (ब्यूरो)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने अन्य केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर, 'महादेव ऐप' अवैध सट्टेबाजी सिंडिकेट के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को ओमान से भारत लाने (प्रत्यर्पण) में सफलता हासिल की है। ओमान भेजी गई CBI की एक विशेष टीम उसे वापस भारत ले आई है।



रायपुर की विशेष अदालत में होगी पेशी

अब उसे रायपुर में CBI की विशेष अदालत के सामने पेश किया जाएगा। वह CBI के दो मामलों में वांछित है, जिनमें चार्जशीट पहले ही दाखिल की जा चुकी है; इसके अलावा, वह ED के एक मामले में भी आरोपी है, जिसमें अभियोजन शिकायत (prosecution complaint) दायर की गई है।

यह प्रत्यर्पण भारत के उन लगातार प्रयासों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिनका उद्देश्य उन भगोड़ों को वापस लाना है जो विदेशों से भारतीय नागरिकों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देते हैं, ताकि उन्हें भारतीय कानून की उचित प्रक्रिया का सामना करना पड़े। CBI ने छत्तीसगढ़ सरकार के अनुरोध पर 'महादेव ऑनलाइन बुक' मामलों की जांच अपने हाथ में ली थी।

जांच से पता चला कि 'महादेव ऑनलाइन बुक' देश के सबसे बड़े अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी सिंडिकेट्स में से एक था, जिसे भारत के बाहर से चलाया जा रहा था। यह पूरे भारत में फैले 'पैनल' और 'शाखाओं' (branches) के एक नेटवर्क के जरिए क्रिकेट, फुटबॉल, ताश के खेलों और अन्य आयोजनों पर अवैध सट्टेबाजी की सुविधा देता था। यह नेटवर्क उपयोगकर्ताओं को जोड़ता था और उनसे दांव की रकम (stakes) इकट्ठा करता था।

देशभर में फैला था अवैध सट्टेबाजी का नेटवर्क

अवैध सट्टेबाजी से हुई कमाई को कई 'म्यूल' (mule) बैंक खातों के जरिए घुमाया जाता था, कई लेन-देन के माध्यम से इसकी परतें बनाई जाती थीं, और फिर हवाला चैनलों के जरिए इसे विदेश भेज दिया जाता था।

सपा नेता आजम खान को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

गाजियाबाद। समाजवादी पार्टी (सपा) नेता मोहम्मद आजम खान को जौहर विश्वविद्यालय से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए जाने के अगले दिन, रविवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गाजियाबाद एमपी-एमएलए न्यायालय ने यह आदेश पारित किया और निर्देश दिया कि खान 13 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में रहेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए सपा नेता के वकील दानिश अली ने कहा कि आज आजम खान को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।



उन्होंने आगे कहा कि ईडी ने उनसे आगे पूछताछ करने के लिए उनकी हिरासत मांगी है।

समाजवादी पार्टी के नेता की शनिवार को ईडी द्वारा की गई गिरफ्तारी, उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय से संबंधित 426.46 करोड़ रुपए मूल्य की भूमि और इमारतों की अस्थायी कुर्की के ठीक बाद हुई है।

यह कुर्की मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट, आजम खान और अन्य से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में की गई है।

आजम खान के लिए नई मुसीबतें इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा उन्हें और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को दी गई अल्पकालिक राहत के बाद आई हैं।

हाई कोर्ट ने दोहरे पैन कार्ड मामले में उनकी सजा निलंबित कर दी थी और गुरुवार को उन्हें जमानत भी दे दी थी।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में, ईडी ने विश्वविद्यालय की संपत्तियों को जब्त कर लिया है, जिनका वर्तमान अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 1,170 करोड़ रुपए है।

ईडी ने बताया कि रामपुर के सींगन खेड़ा गांव के जौहर नगर में स्थित विश्वविद्यालय परिसर मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट के स्वामित्व में है, जिसकी स्थापना और संचालन आजम खान के पास है। आजम खान संस्थान के मानद कुलाधिपति भी हैं।

यह जांच रामपुर के अजीम नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज 26 एफआईआर के आधार पर शुरू की गई है, जिनमें आरोप लगाया गया है कि किसानों की कृषि भूमि को विश्वविद्यालय के लिए जबरन अधिग्रहित किया गया था।

मोहब्बत की दुकान खोलने का लाइसेंस कब मिलेगा, रैली ने कांग्रेस के दावों की पोल खोल दी: संबित पात्रा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने रविवार को कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने रामलीला मैदान में आयोजित इंडिया गठबंधन की रैली में भीड़ जुटने के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस ने 10 लाख लोगों के पहुंचने का दावा किया था, लेकिन मैदान में करीब 28 हजार कुर्सियों की ही व्यवस्था की गई थी। इनमें भी 5 से 7 हजार कुर्सियां खाली थीं। उन्होंने कहा कि इस रैली ने कांग्रेस के दावों की पूरी पोल खोल दी है। नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भी इसी तरह का गलत हिसाब-किताब पेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का आरोप है कि मतदाताओं के नाम काट दिए गए, लेकिन पार्टी को पहले अपने दावों और जमीनी हकीकत का हिसाब देना चाहिए। संबित पात्रा ने कहा कि रामलीला मैदान लगभग 10 से 12 एकड़ में फैला हुआ है। इसमें करीब 15 प्रतिशत जगह मंच और उसके सामने बने डी-एरिया ने घेर रखी थी। मैदान का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा पूरी तरह खाली था, जहां न तो कुर्सियां लगाई गई थीं और न ही लोग मौजूद थे।



उन्होंने कहा कि पूरे मैदान में लगभग 28 हजार कुर्सियां लगाई गई थीं, जिनमें से 5 से 7 हजार कुर्सियां खाली थीं। कांग्रेस ने रैली में 10 लाख से अधिक लोगों के आने का दावा किया था, लेकिन वास्तविक स्थिति इसके विपरीत रही।

राहुल गांधी की चेतावनी, 'वोट चोरी' के मामले में जेल जाएंगे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित विपक्षी गठबंधन इंडिया की रैली को संबोधित करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने 'वोट चोरी' का आरोप लगाते हुए कहा कि ज्ञानेश कुमार को इसके लिए मुकदमे का सामना करना पड़ेगा और उन्हें जेल जाना होगा। इंडिया गठबंधन की ओर से आयोजित 'दिल्ली चलो' रैली में राहुल गांधी ने कहा कि देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए यह लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार ने जो किया है, वह सामान्य चोरी नहीं, बल्कि कानूनी भाषा में 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' (दुर्लभतम) श्रेणी का मामला है। राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर ईवीएम के इस्तेमाल और मतदाता सूची से 13.5 करोड़ नाम हटाने के जरिए वोट चोरी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के लिए ज्ञानेश कुमार ने जो किया है, वह देशद्रोह और हर नागरिक की आवाज की चोरी के समान है।'



उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को भी संविधान और लोकतंत्र पर कथित हमले के लिए परिणाम भुगतने होंगे।

राहुल गांधी ने कहा, 'जब गृह मंत्री अमित शाह घोषणा करते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी कहीं नहीं जा रहे हैं, तो हम उन्हें बताना चाहते हैं कि जब तक वे अपने किए की सजा का सामना नहीं करेंगे, हम उन्हें कहीं जाने नहीं देंगे।'

उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव और कई विधानसभा चुनावों में कथित धांधली का मुद्दा उठाते हुए कहा कि रामलीला मैदान में जुटी भारी भीड़ देश के युवाओं, किसानों और मजदूरों की आवाज है। यह उन लोगों को स्पष्ट संदेश दे रही है, जो 'वोट चोरी' में शामिल हैं कि जनता उनके खिलाफ लड़ेगी और उन्हें हराएगी।

राहुल गांधी ने कहा कि यहां जुटे लोग संदेश दे रहे हैं कि कोई कितना भी शक्तिशाली और अमीर क्यों न हो, वह संविधान से बड़ा नहीं हो सकता। संविधान सर्वोच्च है। उन्होंने इस रैली को लोकतंत्र बचाने के लिए एकजुटता और सामूहिक शक्ति का प्रदर्शन बताया।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार 'वोट चोरी' के कथित पाप के कारण रातों की नींद खो चुके हैं और उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे।

वैष्णव, कुमारस्वामी और जोशी ने बेंगलुरु में दिखायी वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी

बेंगलुरु - रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री एच एल.डी. कुमारस्वामी और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को यहाँ के सर एम विश्वश्वरैया टर्मिनल से बेंगलुरु- मुंबई वंदे भारत शयनयान एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसी के साथ ही देश को तीसरी और कर्नाटक की पहली वंदे भारत शयनयान एक्सप्रेस मिल गयी। यह ट्रेन बेंगलुरु और मुंबई के बीच अनंतपुर, गुंतकाल, रायचूर, यादगीर, कलबुर्गी, सोलापुर, पुणे और कल्याण में रुकेगी।



श्री वैष्णव ने यहाँ इस ट्रेन का निरीक्षण करने के दौरान संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि यह तीसरी वंदे भारत शयनयान ट्रेन देश की प्रौद्योगिकी राजधानी बेंगलुरु को वित्तीय राजधानी मुंबई से जोड़ेगी। ट्रेन के डिज़ाइन पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिसमें लोको पायलटों के लिए निजी आधुनिक शौचालय, यात्रियों के लिए बेहतर सीट और विकलांग व्यक्तियों के लिए विशेष सुविधाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस ट्रेन में यात्रियों के मध्य और ऊपरी सीट तक आसानी से पहुंचने के लिए विशेष सुविधाएं प्रदान की गई हैं और इसके लिए सीढ़ियों को फिर से डिज़ाइन किया गया है।

विभिन्न क्षमताओं के लोगों द्वारा इसका परीक्षण करने के बाद डिज़ाइन को अंतिम रूप दिया गया है। कोच झटका-मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने के लिए विश्व स्तरीय युग्मकों से लैस किया गया हैं। इस ट्रेन के पिछले संस्करणों से सीख लेकर नए संस्करण के साथ प्रणोदन प्रणाली और बोगी डिज़ाइन को भी अद्यतन किया जा रहा है। वंदे भारत एक्सप्रेस के चेयर कार और शयनयान संस्करण स्टोनों अपनी संबंधित श्रेणियों में वैश्विक मानकों तक पहुंच रहे हैं।

इस मौके पर यहाँ आयोजित समारोह में केंद्रीय राज्य मंत्री वी. सोमन्ना, केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे और कर्नाटक सरकार के मंत्री कृष्णा बी. गौड़ा सहित कई अन्य नेता तथा रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित वंदे भारत शयनयान एक्सप्रेस (27652) बेंगलुरु से शाम सात बजकर 45 मिनट पर रवाना होगी और अगले दिन पूर्वाह्न 11 बजकर 55 मिनट पर मुंबई पहुंचेगी।

पीएम मोदी के नेतृत्व में अयोध्या की प्राचीन गरिमा को मिला आधुनिक विकास का नया विस्तार: मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या की प्राचीन गरिमा को आधुनिक विकास का नया विस्तार मिला है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में बढ़ता पर्यटन, व्यापार को संबल दे रहा है, नए अवसर युवाओं को रोजगार से जोड़ रहे हैं और स्थानीय परिवार समृद्धि की नई आशाएं संजो रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'अयोध्या सभ्यता की जन्मभूमि, संस्कृति की प्राणधारा और आस्था की शाश्वत ज्योति है। किंतु वर्ष 2017 से पहले यह दिव्य नगरी उपेक्षा, अव्यवस्था और तुष्टीकरण का तेजाबी दंश सहने के लिए विवश थी। श्रद्धालुओं की यात्रा कठिन, नगर की व्यवस्थाएं जर्जर और स्थानीय परिवारों की संभावनाएं सीमित थीं।' उन्होंने आगे लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या की प्राचीन गरिमा को आधुनिक विकास का नया विस्तार मिला है। भव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर से लेकर राम पथ, धर्म पथ, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और आधुनिक रेलवे स्टेशन तक, हर निर्माण श्रद्धालुओं की सुविधा एवं राम नगरी के गौरव से जुड़ा है। इस परिवर्तन का प्रकाश अयोध्या वासियों के घर-आंगन तक पहुंच रहा है। बढ़ता पर्यटन, व्यापार को संबल दे रहा है, नए अवसर युवाओं को रोजगार से जोड़ रहे हैं और स्थानीय परिवार समृद्धि की नई आशाएं संजो रहे हैं।'

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कभी विकास की प्रतीक्षा करती अयोध्या आज अपनी विरासत के साथ प्रगति का नया अध्याय लिख रही है।

न्यूज डायरी

सीपीएचआई इंडिया और पीएमईसी इंडिया 2026 का आयोजन 23 नवंबर से

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। फार्मास्युटिकल सामग्री,अनुबंध विनिर्माण,मशीनरी और अत्याधुनिक तकनीक के क्षेत्र को एक साझा मंच प्रदान करने के लिए सीपीएचआई इंडिया और पीएमईसी इंडिया 2026 का आयोजन दिल्ली एनसीआर में होने जा रहा है। इनफ़ॉर्मा मार्केट्स इन इंडिया द्वारा आयोजित यह विशाल प्रदर्शनी पहली बार दो अलग अलग स्थानों पर आयोजित की जा रही है।सीपीएचआई इंडिया का आयोजन 23 से 25 नवंबर तक आईआईसीसी,यशोभूमि,द्वारका में होगा,जबकि पीएमईसी इंडिया 24 से 26 नवंबर तक इंडिया एक्सपो मार्ट ग्रेटर नोएडा में आयोजित की जाएगी। इस 2026 संस्करण में 120 से अधिक देशों के 50 हजार से ज्यादा फार्मा पेशेवरों और 2000 से अधिक प्रदर्शकों के शामिल होने की उम्मीद है।।उत्तर भारत के प्रमुख फार्मा केंद्रों जैसे हिमाचल प्रदेश के बद्दी और काला अंब,उत्तराखंड के सेलाकुई, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के लिए यह आयोजन सोर्सिंग और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के व्यापक अवसर खोलेगा।

इनफार्मा मार्केट्स इन इंडिया के प्रबंध निदेशक योगेश मुद्रास ने कहा कि भारत का दवा उद्योग अपनी विनिर्माण क्षमताओं और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को लगातार मजबूत कर रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार फार्मास्यूटिकल दवाओं की पीएलआई योजना ने मार्च 2026 तक लगभग 1.15 लाख नौकरियां सृजित की हैं जो इस क्षेत्र की क्षमता को दर्शाता है।

हिमाचल कांग्रेस का नई दिल्ली में शक्ति प्रदर्शन, लक्ष्य से ज्यादा जुटी भीड़



हिन्द जनपथ

शिमला : इंडिया गठबंधन के जन मार्च और रामलीला मैदान में हुई महारैली में रविवार को सीएम सुक्खू और डिप्टी सीएम समेत पूरी सरकार शामिल हुई। वहीं पार्टी के विधायकों, निगम-बोर्ड के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के अलावा संगठन के पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। वोट बचाओ-देश बचाओ रैली में हिमाचल से उमड़ी भीड़ को देखकर नेता भी गदगद हो उठे। लिहाजा प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने भी इस आयोजन में हिमाचल से कार्यकर्ताओं की लक्ष्य से ज्यादा भीड़ उमड़ने का दावा किया है। बहरहाल रविवार को इंडिया गठबंधन के जन मार्च और रैली के दौरान हिमाचल का नई दिल्ली में शक्ति प्रदर्शन दिखा।

जानकारी के अनुसार रविवार सुबह ही हिमाचल भवन में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटने शुरू हो गई थी। लिहाजा प्रदेश भर से कार्यकर्ताओं के हिमाचल भवन में पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू समेत कैबिनेट मंत्री, विधायक और कार्यकर्ता जुलूस की शक्ल में रामलीला मैदान की तरफ निकले। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने भाजपा और केंद्रीय चुनाव आयोग के खिलाफ भी जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर कांग्रेस की प्रदेश मामलों की प्रभारी रजनी पाटिल, डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार व महासचिव संगठन विनोद जिंटा समेत कैबिनेट मंत्री विक्रमादित्य सिंह, रोहित ठाकुर, अनिरुद्ध सिंह, राजेश धर्माणी, व विधायक व पदाधिकारी भी मौजूद रहे। अहम है कि रविवार को दिल्ली में हुई रैली में प्रदेश से दस से पंद्रह हजार कार्यकर्ताओं के शामिल करने का टारगेट था। बावजूद इसके इस आयोजन में लक्ष्य से भी ज्यादा कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे।

गूगल-पे के जरिए 98 हजार रुपए की ऑनलाइन ठगी, ढालपुर में युवक के साथ धोखाधड़ी, पुलिस ने दर्ज किया मामला

कुल्लू - जिला कुल्लू में ऑनलाइन ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। अब ढालपुर निवासी एक व्यक्ति के बेटे के साथ गूगल-पे के माध्यम से 98 हजार रुपए की धोखाधड़ी होने का मामला सामने आया है। व्यक्ति ने पुलिस थाना कुल्लू में शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ढालपुर निवासी एक व्यक्ति ने अपनी शिकायत में बताया कि उनके बेटे के साथ गूगल-पे के माध्यम से ऑनलाइन पैसों की धोखाधड़ी हुई है।

इस दौरान कुल 98 हजार रुपए की राशि ठगी गई। ऑनलाइन ठगी के कारण परिवार को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। शिकायतकर्ता ने पुलिस को लेन-देन से संबंधित विवरण और उपलब्ध साक्ष्य भी सौंपे हैं, ताकि मामले की जांच में मदद मिल सके। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब संबंधित लेन-जदेन और इसमें संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की जांच कर रही है। मामले की पुष्टि एसपी कुल्लू अभिषेक एस ने की है।

हिमाचल में अगले वर्ष बनेगी भाजपा सरकार, कांग्रेस की विदाई तय : हिमंत बिस्वा सरमा

भूपिन्दर चौहान



शिमला : असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को शिमला में भाजपा के लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा के दौरान कांग्रेस, राहुल गांधी और हिमाचल की सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार पर जोरदार राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार की विदाई तय है और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों में भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।

उन्होंने कहा शिमला में उमड़ा जनसमर्थन साफ संकेत दे रहा है कि अगले वर्ष इसी समय हिमाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री होगा।

मुख्यमंत्री सरमा ने देवभूमि हिमाचल को नमन करते हुए कहा कि वह मां कामाख्या की धरती असम से देवी-देवताओं की पावन भूमि हिमाचल आए हैं। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे प्रदेश में राजनीतिक परिवर्तन के लिए अभी से जुट जाएं।

ईवीएम से सत्ता हासिल करने वाले सुक्खू उसी के विरोध में क्यों

हिमंत बिस्वा सरमा ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस को यह स्पष्ट करना चाहिए कि जिस ईवीएम के माध्यम से हिमाचल पा में चुनाव हुए और कांग्रेस सत्ता में आई, उसी मतदान प्रणाली के विरोध में मुख्यमंत्री दिल्ली में प्रदर्शन क्यों कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, अगर कांग्रेस को ईवीएम पर भरोसा नहीं है, तो सुक्खू बताएं कि वह उसी चुनाव प्रणाली से प्राप्त जनादेश के आधार पर मुख्यमंत्री क्यों बने हुए हैं

उन्होंने कहा कि कांग्रेस कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में चुनाव जीतती है तो ईवीएम पर सवाल नहीं उठाती, लेकिन भाजपा की जीत होते ही निर्वाचन आयोग और मतदान प्रणाली पर आरोप लगाने लगती है।

उन्होंने राहुल गांधी को चुनौती देते हुए कहा कि यदि उन्हें चुनाव प्रणाली पर इतनी आपत्ति है तो वह अपनी रायबरेली लोकसभा सीट की जीत और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद के संदर्भ में भी अपना रुख स्पष्ट करें।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राजनीति में एक ही चुनाव प्रणाली को अपनी जीत पर सही और भाजपा की जीत पर गलत बताने का दोहरा मापदंड दिखाई देता है।

एसआईआर पर कांग्रेस का विरोध, घुसपैठियों को लेकर उठाए सवाल

असम के मुख्यमंत्री ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का समर्थन करते हुए कहा कि मतदाता सूचियों की शुद्धता लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है। सरमा ने कहा कि पात्र भारतीय नागरिकों के मतदान अधिकार सुरक्षित रहने चाहिए, लेकिन अपात्र नामों की पहचान और नियमानुसार कार्रवाई का भी विरोध नहीं होना चाहिए।

उन्होंने राहुल गांधी से सवाल किया कि जब कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के नाम मतदाता सूचियों में मौजूद हैं, तो वे किस आधार पर पूरी निर्वाचन प्रक्रिया को संदिग्ध बता रहे हैं। सरमा ने कहा कि भारत में सरकार बदलने का रास्ता जनता का जनादेश है, न कि राजनीतिक दबाव अथवा अराजकता। उन्होंने कांग्रेस पर बांग्लादेश और नेपाल की राजनीतिक घटनाओं का उदाहरण देकर देश में अस्थिरता का वातावरण बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री सरमा ने 1 नवंबर की तारीख का उल्लेख करते हुए 1984 के सिख विरोधी दंगों का मुद्दा भी उठाया।

उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद दिल्ली सहित देश के विभिन्न हिस्सों में सिख समुदाय के विरुद्ध भयावह हिंसा हुई थी।

'भगवान शिव की जटाएं ढीली पड़ रही हैं', हिमालय में जलवायु संकट को लेकर चेताया

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। जलवायु विशेषज्ञ और लेखिका मृदुला रमेश ने हिमालय की स्थायी रूप से जमी बर्फ (परमाफ्रॉस्ट) के पिघलने की तुलना कभी गंगा नदी के तेज बहाव को रोकने वाली भगवान शिव की जटाओं से करते हुए चेतावनी दी कि बढ़ते तापमान के कारण पहाड़ों की प्राकृतिक व्यवस्था बिगड़ रही है, जिससे बाढ़ और पानी की कमी का खतरा बढ़ रहा है।

शनिवार को साहित्य और कला से जुड़े 11वें 'हिमालयन इकोज' महोत्सव के समापन पर उन्होंने कहा कि गंगा नदी के धरती पर अवतरण की पौराणिक कथा हिमालय में हो रहे बदलावों को समझने का एक अच्छा उदाहरण है। पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान शिव ने गंगा नदी के तेज बहाव को अपनी जटाओं में रोक लिया था। इसके बाद उन्होंने धीरे-धीरे इसे छोटी-छोटी धाराओं के रूप में धरती पर छोड़ा था।

मदुरै की रहने वाली लेखिका ने कहा कि गंगा को देखिए। वह अपने स्वभाव से चंचल और तेज बहने वाली है। उसे किसी तरह की रोक पसंद नहीं है। स्थायी रूप से जमी बर्फ अब पिघल रही है। इसे ऐसे समझिए कि भगवान शिव की जटाएं ढीली पड़ रही हैं। हिमालय में ऊंचाई वाले इलाकों में स्थायी रूप से जमी बर्फ मिट्टी और चट्टानों को सीमेंट की तरह एक साथ बांधकर रखती है।

मृदुला ने कहा कि जब यह बर्फ पिघलती है तो पहाड़ों की ढलान कमजोर व अस्थिर हो जाती है, जिससे भूस्खलन और हिमनद से जुड़ी आपदाओं का खतरा बढ़ जाता है। परमाफ्रॉस्ट मिट्टी, चट्टान या तलछट की वह परत होती है, जो लगातार कम से कम दो वर्षों तक जमी रहती है। सुंदरम क्लाइमेट इंस्टीट्यूट की संस्थापक और इस साल के 'हिमालयन इकोज नेचर प्राइज' की विजेता रमेश ने कहा खि दुर्भाग्य से बढ़ते तापमान और बारिश की तीव्रता में वृद्धि के साथ हमें जीना होगा। हमें इसके लिए उम्मीद भी रखनी होगी और योजना भी बनानी होगी।

गर्म हवा में नमी रखने की क्षमता ज्यादा होती है, जिसके कारण बारिश वाले दिनों की संख्या कम हो सकती है, लेकिन जब बारिश होती है तो बहुत तेज होती है। उन्होंने बाढ़ के बाद पानी की कमी की बढ़ती समस्या की ओर भी ध्यान दिलाया। बर्फ प्राकृतिक रूप से पानी जमा करने का काम करती है। बर्फ पिघलने से साल की शुरुआत में नदियों में पानी ज्यादा बहने लगता है।

चुनाव आयोग के ख़िलाफ़ धरना देना है तो पहले इस्तीफ़ा दे देते सुक्खू : जयराम ठाकुर

हिन्द जनपथ

शिमला : संविधान बचाओ-अराजकता हटाओ पदयात्रा के बाद चौड़ा मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी और कांग्रेस के नेताओं का देश भर में हुई ताबड़तोड़ हार से मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। इसीलिए वे मर्यादाएँ भूलकर प्रधानमंत्री के ख़िलाफ़ घटिया स्तर की भाषा पर उतर आए हैं। पहले तो राहुल गांधी ही मर्यादाएँ लाँघ रहे थे, लेकिन अब पूरी कांग्रेस पार्टी ही हताशा में घटियापन पर उतर आई है। वे भूल रहे हैं कि देशवासी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्यार करते हैं। उनके हर अपमान का जवाब वे अपने वोट से भी देंगे और सड़कों पर उतरकर भी सबक सिखाएँगे।

जयराम ठाकुर ने कहा कि और तो और, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी यहाँ से मजमा लेकर गए हैं और कह रहे हैं कि वोट चोरी हो रही है। वे किस मुँह से ऐसा कर रहे हैं, यह समझ से परे है। सुक्खू ख़ुद सरकार बनाने के लिए गारंटियों के नाम पर वोट चोरी करके सत्ता में आए और आज उसी आयोग के ख़िलाफ़ प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्हें ऐसा करने से पहले अपने पद से इस्तीफ़ा दे देना चाहिए। वे प्रदेश के संसाधनों का दुरुपयोग अराजकता फैलाने में कर रहे हैं। राहुल गांधी की ख़ुशामदी में वे इस तरह की हरकतें कर रहे हैं। प्रदेश के संसाधनों का इस्तेमाल प्रदेश के हितों में करना चाहिए, लेकिन वे इनका इस्तेमाल अराजकता फैलाने में कर रहे हैं।

जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस वोट चोरी का आरोप लगा रही है, लेकिन 1967 से वह देश के कोने-कोने से साफ़ होती जा रही है। बंगाल में 1977 से लापता है। उत्तर प्रदेश में 1989 से साफ़ है। 1990 से बिहार में गायब है। 1995 से गुजरात में साफ़ है। 1999 से ओडिशा से साफ़ है। जब कांग्रेस का वोट है ही नहीं, तो वह चोरी कहाँ से हो रहा है? कांग्रेस को देश ने ठुकरा दिया है। राहुल गांधी और उनकी मंडली, जो विदेशी सहयोग से भारत की पवित्र भूमि को नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका बनाना चाहती है, वह भूल रही है कि यह भारत है। यहाँ न जाने कितने आक्रांता आए और चले गए। आज देश में दुनिया के सबसे मज़बूत नेता नरेंद्र मोदी का शासन है। राहुल गांधी और उनकी मित्र मंडली का यह ख़्वाब कभी पूरा नहीं होगा। वे सिर्फ़ बेनकाब होंगे। यहाँ कोई रेजीम चेंज नहीं होगा, यहाँ मोदी बार-बार आएंगे।



मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू नई दिल्ली में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' महारैली में भाग लेने के लिए INDIA ब्लॉक के वरिष्ठ नेताओं के साथ रामलीला मैदान की ओर प्रस्थान करते हुए।

राज्यपाल ने दिल्ली में श्री विद्या कोटि कुमकुमार्चन महायज्ञ के पूर्णाहुति समारोह में शिरकत की

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने दिल्ली स्थित धर्मसंघ महाविद्यालय में आयोजित पांच दिवसीय श्री विद्या कोटि कुमकुमार्चन महायज्ञ के पूर्णाहुति समारोह में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह आयोजन सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और सामूहिक आस्था का अद्भुत संगम है। इस प्रकार के धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सुदृढ़ करने के साथ-साथ सेवा, सद्भाव और आत्मानुशासन जैसे मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित करते हैं। यह समारोह स्व. संत वेदांती जी महाराज की जयंती के उपलक्ष्य में भी आयोजित किया गया।



संत वेदांती जी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि महान संतों और आध्यात्मिक गुरुओं का जीवन एवं उनकी शिक्षाएं आने वाली पीढ़ियों को सत्य, सेवा, त्याग और करुणा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती रहेंगी।

राज्यपाल ने श्री विद्या परम्परा और मां ललिता त्रिपुरसुंदरी की उपासना के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्री ललिता सहस्त्रनाम का पाठ और सामूहिक कुमकुमार्चन श्रद्धा, सकारात्मकता एवं आत्मिक शांति का संचार करते हैं। उन्होंने स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी और रोहित कुमार सिंह के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इनके द्वारा कश्मीर से कन्याकुमारी तक देश के विभिन्न भागों 68 कोटि कुमकुमार्चन महायज्ञों का आयोजन किया है। उन्होंने इस पहल को आध्यात्मिक जागरण और राष्ट्रीय सांस्कृतिक एकता की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान बताया। उन्होंने राष्ट्र निर्माण, वैश्विक कल्याण और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए उनके निरंतर प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता का वास्तविक महत्व तब और बढ़ जाता है, जब उसे सामाजिक सेवा और राष्ट्रहित के कार्यों से जोड़ा जाता है।

विकसित भारत के संकल्प का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता और वैश्विक सहभागिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक एकता और नागरिकों के चरित्र में निहित है।

तीसा में युवक से नौ किलो चरस पकड़ी, खखड़ी डैम के पास स्पेशल टास्क फोर्स की टीम ने दबोचा कार सवार

चंबा- तीसा उपमंडल के खखड़ी डैम साइट संपर्क मार्ग पर पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (उत्तरी रेंज) कांगड़ा की टीम ने नाकाबंदी के दौरान कार सवार युवक से नौ किलो 28 ग्राम चरस की खेप बरामद करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मादक द्रव्य अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर हवालात में बंद कर दिया है। आरोपी से चरस खेप की खरीद-फरोख्त को लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने चरस तस्करी में प्रयुक्त कार को भी जब्त कर लिया है। जानकारी के अनुसार स्पेशल टास्क फोर्स (उत्तरी रेंज) कांगड़ा की टीम न सहायक उपनिरीक्षक परमेश शर्मा की अगवाई में एसटीएफ की टीम ने खखरी डैम साइट संपर्क मार्ग पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच आरंभ कर रखी थी। इसी दौरान वहां से गुजर रही कार को निरीक्षण के लिए रोका गया।

पुलिस टीम को देखकर कार चालक घबरा गया। पुलिस टीम को कार चालक की गतिविधियां संदिग्ध दिखने पर पूछताछ की गई।

पुलिस की पूछताछ में कार सवार युवक ने अपनी पहचान राकेश कुमार पुत्र दौलत राम वासी गांव मांडका तहसील चुराह जिला चंबा के तौर पर बताई। पुलिस ने संदेह के आधार पर कार की तलाशी दौरान आरोपी के कब्जे से नौ किलो 28 ग्राम चरस बरामद हुई।

एसपी विजय कुमार सकलानी ने मामले की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ तीसा पुलिस थाना में मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। उन्होंने दोहराया कि जिला में सक्रिय चरस माफिया की धरपकड़ हेतु अभियान लगातार जारी रहेगा।

कछियारी–रानीताल फोरलेन पर सफर हुआ आसान, रियूंद पुल से वाहनों की आवाजाही शुरू

कांगड़ा- कछियारी–रानीताल फोरलेन पर रियूंद पुल को आखिरकार आज NHAI द्वारा वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया गया है। लंबे समय से पुल के शुरू होने का इंतजार कर रहे वाहन चालकों को अब बड़ी राहत मिली है। पुल खुलने से इस मार्ग पर सफर पहले की अपेक्षा अधिक सुगम और सुविधाजनक होने की उम्मीद है। गौरतलब है कि रियूंद पुल का मुख्य निर्माण कार्य पूरा होने के बाद भी दोनों ओर एप्रोच रोड और सड़क से जोड़ने का कार्य शेष था। सितंबर माह में निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंचने के बाद इसी माह पुल पर यातायात शुरू होने की उम्मीद जताई गई थी, लेकिन विभिन्न कारणों से इसे खोलने में देरी होती रही।

नवरात्रों के दौरान भी रियूंद पुल को छोटे निजी वाहनों के लिए दो दिन खोलने की योजना बनी थी। डीएसपी कांगड़ा राजेश कुमार की ओर से सोमवार सुबह 9 बजे से मंगलवार रात 10 बजे तक पुल की दाईं ओर की एक लेन से छोटे निजी वाहनों को गुजरने की बात कही गई थी। हालांकि, मौके पर एनएचएआई ने यातायात शुरू करने की अनुमति नहीं दी, जिस कारण वाहन चालकों को निराशा का सामना करना पड़ा था और इस दौरान जाम की स्थिति भी बनी थी। अब करीब दस दिनों की टेस्टिंग के बाद पुल को यातायात के लिए खोल दिया गया है। पुल शुरू होने से कछियारी से रानीताल तक फोरलेन पर सफर करने वाले वाहन चालकों को बड़ी सुविधा मिलेगी। लंबे इंतजार के बाद पुल के शुरू होने से क्षेत्र के लोगों और नियमित रूप से इस मार्ग पर सफर करने वालों ने राहत की सांस ली है।

बता दें कि इस बायपास की लंबाई 4.5 किलोमीटर है, जिसमें 593 मीटर लंबी ट्विन-ट्यूब सुरंग, तीन प्रमुख पुल, जिनकी कुल लंबाई लगभग 477 मीटर है, 160 मीटर लंबा वायाडक्ट, 455 मीटर लंबा रेलवे ओवरब्रिज (ROB)-कम-वायाडक्ट और रियूंद खड्ड पर 155 मीटर लंबा प्रमुख पुल शामिल है। कांगड़ा बाईपास के शुरू होने से यात्रा की दूरी लगभग 8 किलोमीटर से घटकर 4.5 किलोमीटर रह जाएगी। इससे लोगों को पुराने मार्ग पर लगने वाले ट्रैफ़िक जाम से राहत मिलेगी। विशेष रूप से पर्यटन सीजन के दौरान लगने वाले जाम के कारण होने वाली देरी में भी कमी आने की उम्मीद है।

यह बाईपास कांगड़ा, धर्मशाला और मैक्लोडगंज की ओर जाने वाले पर्यटकों और स्थानीय यात्रियों के लिए आवागमन को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही, बेहतर सड़क संपर्क से क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों, स्थानीय व्यापार और आर्थिक विकास को भी प्रोत्साहन मिलेगा। NHAI यात्रियों से अपील करता है कि बाईपास को फिलहाल ट्रायल आधार पर यातायात के लिए खोला गया है, इसलिए सभी वाहन चालकों से अनुरोध है कि वे निर्धारित गति सीमा का पालन करें, सड़क पर लगे साइन बोर्ड एवं यातायात नियमों की अनुपालना करें और वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए मार्ग पर तैनात कर्मियों के निर्देशों का पालन करें।

पठियार में बाइक सवार युवक से चिट्टा बरामद, आरोपी गिरफ्तार

धर्मशाला - पुलिस थाना नगरोटा बगवां की टीम ने पठियार क्षेत्र में गश्त के दौरान एक बाइक सवार युवक को 4.76 ग्राम चिट्टे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मादक पदार्थ बरामद करने के बाद बाइक को भी कब्जे में ले लिया है। मिली जानकारी के अनुसार देर रात टीम पठियार क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इस दौरान शक के आधार पर बाइक सवार को जांच के लिए रोका गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 4.76 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। आरोपी की पहचान अंकुश सिंह (31) निवासी गांव सूरजपुर, तहसील इंदौरा, जिला कांगड़ा के रूप में हुई है। पुलिस ने बाइक नंबर TO526PB0229D को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर चिट्टे की आपूर्ति के स्रोत और इसकी खेप किसे पहुंचाई जानी थी, इसका पता लगाने में जुटी है। मामले में आगामी जांच जारी है।

हिमाचल में ठंड के बीच फिर बदलेगा मौसम का मिजाज, इन चार जिलों के लिए जारी हुआ अलर्ट!

शिमला- हिमाचल प्रदेश में मौसम की बदलाहट का दौर जारी है। राज्य में अगले दो दिन मौसम फिर से करवट ले सकता हैं। मौसम विभाग ने पहली और दो नवंबर को राज्य के कई जिलों में बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी का अनुमान जताया है।

हालांकि, इस दौरान भारी बारिश या बर्फबारी का कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। तीन से छह नवंबर तक पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार एक नवंबर को चंबा, कांगड़ा, कुल्लू और लाहुल-स्पीति जिलों में कुछ स्थानों पर बारिश और बर्फबारी हो सकती है। दो नवंबर को इसका दायरा बढऩे का अनुमान है। इस दिन चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, किन्नौर और लाहुल-स्पीति में बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना है। इसके बाद मौसम में सुधार होगा। तीन से छह नवंबर तक प्रदेश के सभी क्षेत्रों में मौसम साफ रहने का पूर्वानुमान है।

डिजिटल क्रांति से पारदर्शी राजस्व प्रशासन की ओर हिमाचल प्रदेश

राजस्व प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से अब तक 2,12,918 राजस्व मामले प्रोसेस

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश में भूमि केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और पुश्तैनी विरासत का आधार है। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में जमाबंदी, इंतकाल, निशानदेही और तकसीम जैसी राजस्व सेवाएं आमजन के जीवन से सीधे जुड़ी हुई हैं। ऐसे में राजस्व प्रशासन को सरल, पारदर्शी, समयबद्ध और तकनीक आधारित बनाना सुशासन की दिशा में अहम कदम है।

बीते चार वर्षों में राजस्व विभाग ने सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग, भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण, राजस्व न्यायालयों की ऑनलाइन कार्यप्रणाली और डिजिटल दस्तावेजों की उपलब्धता में उल्लेखनीय प्रगति की है। ई-हिमभूमि, राजस्व प्रबंधन प्रणाली (आरएमएस), आरसीसीएमएस, भू-नक्शा पोर्टल और माई डीड पोर्टल जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से विभागीय कार्यप्रणाली में व्यापक बदलाव आया है। इन नीतिगत प्रयासों का उद्देश्य कार्यालयों में केवल तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत प्रदान करना और भूमि अभिलेखों को अधिक सटीक, अद्यतन और सुलभ बनाना है।

राजस्व न्यायालयों के आधुनिकीकरण में आरएमएस पोर्टल एक बड़ी उपलब्धि है। एक सितंबर, 2025 से इस पोर्टल को पूर्णतः ऑनलाइन एवं पेपरलेस कार्यप्रणाली के रूप में संचालित किया जा रहा है। 9 सितंबर, 2025 की अधिसूचना के माध्यम से हिमाचल प्रदेश रेवेन्यू कोर्ट्स ऑनलाइन फाइलिंग एंड प्रोसीजर रूल्स 2025 लागू किए गए, जिससे इस व्यवस्था को विधिक एवं विनयामक आधार भी प्राप्त हुआ।

राजस्व प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से अब तक 2,12,918 राजस्व मामलों को प्रोसेस किया गया। 71,000 मामले सरकार द्वारा सितंबर 2025 को शुरू किए गए पूरी तरह से ऑनलाइन और पेपरलेस रेवेन्यू कोर्ट मॉड्यूल के माध्यम से दर्ज किए गए हैं।

प्रदेश की सभी 479 राजस्व अदालतों को इस डिजिटल प्रणाली से जोड़ दिया गया है और लगभग 28,000 सूची (कॉज लिस्ट) तैयार की गई हैं। साथ ही, इस प्लेटफॉर्म पर लगभग 16,000 अधिवक्ता और 52,000 से अधिक नागरिक भी पंजीकृत हो चुके हैं।

राजस्व मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए प्रत्येक माह के अंतिम दिनों में मासिक लोक अदालतों का आयोजन किया जा रहा है। इनमें तकसीम, निशानदेही, राजस्व प्रविष्टियों में दुरुस्ती और अतिक्रमण जैसे मामलों को प्राथमिकता के आधार पर लिया जा रहा है। इसका उद्देश्य लंबित मामलों का बोझ कम करना और नागरिकों को अनावश्यक प्रतीक्षा से राहत देना है।

भूमि अभिलेखों को अद्यतन रखना राजस्व प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी एक है। इस दिशा में विभाग ने लंबित जमाबंदी को निपटाने के लिए विशेष अभियान चलाया और अधिकारियों व फील्ड कर्मचारियों को निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार काम करने के निर्देश दिए। इसके परिणामस्वरूप लंबित कार्य में लगभग 90 प्रतिशत की कमी आई है। लंबित जमाबंदियों की संख्या लगभग 6,500 से घटकर करीब 750 रह गई है। लगभग 5,750 जमाबंदियों को वर्तमान स्थिति के अनुरूप व पिछले पांच वर्षों के दौरान भूमि से संबंधित हुए समस्त लेनदेन पूरी तरह अपडेट कर दिया गया है।

RNI NO. HARHIN/2002/08034, Postal Regd. No. HR/AB/54/23-25, हिन्द जनपथ के लिए स्वामी, सम्पादक एवं प्रकाशक एकान्ति रॉय गर्ग द्वारा बूथ नंबर 437-पी, सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित एवं इम्प्रैशन प्रिंटिंग एण्ड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लाट नं. 22, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, पंचकूला से मुद्रित। सभी विवादों का न्यायाधिकार क्षेत्र पंचकूला होगा। Mob. 9915606900 email: hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com

न्यूज डायरी

'युद्ध नशों विरुद्ध' के 20 महीने: 4464 किलो हेरोइन सहित 90 हजार से अधिक नशा तस्कर काबू

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत नशों के खिलाफ शुरू किए गए निर्णायक अभियान 'युद्ध नशों विरुद्ध' के 20 महीने पूरे होने पर पंजाब पुलिस ने 1 मार्च, 2025 से अब तक 69,101 एफआईआर दर्ज कर 4464 किलो हेरोइन सहित 90,091 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है।

उल्लेखनीय है कि पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव के निर्देशों पर पंजाब पुलिस द्वारा इस नशा विरोधी अभियान की शुरुआत से ही राज्य के सभी 28 पुलिस जिलों में प्रतिदिन एक साथ तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं।

विशेष पुलिस महानिदेशक (स्पेशल डीजीपी), कानून एवं व्यवस्था, प्रवीण कुमार सिन्हा ने बताया कि 4464 किलो हेरोइन की बड़ी बरामदगी के अलावा पुलिस ने 10.7 क्विंटल अफीम, 515 क्विंटल चूरा-पोस्त, 136 किलो चरस, 1860 किलो गांजा, 84 किलो आईसीई, 67.24 लाख नशीली गोलियां/कैप्सूल और 23 करोड़ रुपये की ड्रग मनी भी जब्त की है।

इसी दौरान पुलिस टीमों ने 285वें दिन भी 'गैंगस्टरां ते वार' अभियान जारी रखते हुए 479 छापेमारियां कीं। इस दौरान 11 हथियारों सहित 168 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा 163 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई और आठ भगोड़े अपराधियों (पीओ) को भी काबू किया गया।

इस अभियान के तहत लोग एंटी गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से किसी भी प्रकार के अपराध या गैर-कानूनी गतिविधियों की सूचना देने के साथ-साथ वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में गोपनीय जानकारी भी साझा कर सकते हैं।

हरभजन सिंह ईटीओ ने की प्रदेश में सड़क विकास कार्यों की समीक्षा



हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के लोक निर्माण मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने पंजाब भवन में आयोजित बैठक के दौरान प्रदेशभर में चल रहे सड़क विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए हरभजन सिंह ईटीओ ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर परिवहन नेटवर्क उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बैठक के दौरान उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकार क्षेत्र में आने वाले राज्य राजमार्गों और लिंक सड़कों से संबंधित चल रहे कार्यों की हलका एवं मंडलवार प्रगति का जायजा भी लिया।

विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि प्रदेश में लिंक सड़कों से संबंधित विभिन्न योजनाओं, जैसे एसएएससीआई, पीएमजीएसवाई और नाबार्ड आदि के तहत चल रही परियोजनाओं को निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप समय पर पूरा किया जाए। उन्होंने सर्दियों के मौसम को ध्यान में रखते हुए निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए।

सर्दियों के दौरान धुंध के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और सड़क सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए उन्होंने शेष सड़कों पर लेन मार्किंग तथा अन्य आवश्यक सुरक्षा उपकरण लगाने का कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा प्रदेश में 45,000 किलोमीटर सड़कों के निर्माण और नवीनीकरण के कार्य करवाए जा रहे हैं।

बैठक में संयुक्त सचिव अमरबीर सिद्धू, पीसीएस, इंजीनियर-इन-चीफ गगनदीप सिंह, मुख्य इंजीनियर अर्शदीप सिंह, निगरान इंजीनियर और कार्यकारी इंजीनियर उपस्थित थे।

शारदा सर्वहितकारी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर रन फॉर यूनिटी आयोजित

चण्डीगढ़ : शारदा सर्वहितकारी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर 40-डी में आज लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती बड़े उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं देशभक्ति की भावना विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय एकता की शपथ के साथ हुआ, जिसमें विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने का संकल्प लिया।

इसके पश्चात रन फॉर यूनिटी (एकता दौड़) का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर एकता, भाईचारे और राष्ट्रीय सद्भाव का संदेश दिया।

विद्यार्थियों ने पोस्टर निर्माण एवं नारा लेखन प्रतियोगिता में भी भाग लिया। उन्होंने आकर्षक पोस्टरों एवं प्रेरणादायक नारों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और अखंडता का महत्व दर्शाया।

प्रातःकालीन सभा में प्रधानाचार्य प्रेम सिंह खिमटा ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन एवं उनके महान योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार पटेल जी ने रियासतों का एकीकरण करके भारत को एक सूत्र में बाँधने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यार्थियों को उनके आदर्शों, अनुशासन, समर्पण एवं एकता की भावना को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

भारतीय हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने जालंधर में दर्शकों के उत्साह को बताया बेमिसाल; कहा- अपने घरेलू मैदान पर खेलना बेहद रोमांचक अनुभव

जहां से हॉकी की शुरुआत की, उसी मैदान पर देश का प्रतिनिधित्व करना गर्व की बात: हरमनप्रीत सिंह



हिन्द जनपथ

जालंधर(ब्यूरो)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने आज कहा कि पंजाब में अपने घर के निकट, परिवार के सदस्यों और खचाखच भरे स्टेडियम में दर्शकों के सामने खेलना पूरी टीम के लिए शानदार और भावनात्मक अनुभव है।

जालंधर के ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम में आयोजित हो रही 'हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी' के दौरान 'सरपंच' के नाम से मशहूर हरमनप्रीत ने कहा कि पंजाब में पहली बार इतने बड़े स्तर के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी करना गर्व की बात है।

उन्होंने कहा, 'दर्शकों से खचाखच भरे स्टेडियम में लोगों का उत्साह बेमिसाल है। इससे टीम का मनोबल और बढ़ता है। मैंने हॉकी की शुरुआत यहीं से की थी और उसी मैदान पर देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। आसपास बैठे खिलाड़ियों के परिवारों की मौजूदगी इस अनुभव को और भी खास बना देती है।'

टीम के प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में दो बार कांस्य पदक जीतने वाले हरमनप्रीत ने कहा कि टीम बहुत अच्छी तैयारी कर रही है। जापान के खिलाफ कड़े मुकाबले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे मैच बेहद महत्वपूर्ण होते हैं और खिलाड़ियों के धैर्य की परीक्षा लेते हैं।

उन्होंने कहा, 'हमने शुरुआती तीन क्वार्टर में शांत और संतुलित खेल का प्रदर्शन किया। हम कोई गोल नहीं कर सके, लेकिन विपक्षी टीम को भी गोल नहीं करने दिया। अंतिम क्वार्टर में हमने खेल की गति बढ़ा दी। सबसे महत्वपूर्ण बात मानसिक रूप से मजबूत बने रहना और मैच के पूरे 60 मिनट तक अपना ध्यान केंद्रित रखना है।'

मलेशिया के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले का उल्लेख करते हुए हांगझोऊ और आइची-नागोया एशियाई खेलों में दो बार स्वर्ण पदक जीतने वाले हरमनप्रीत ने कहा कि यह मुकाबला तय करेगा कि पूल में शीर्ष स्थान पर कौन रहेगा, क्योंकि दोनों टीमें अब तक तीन-तीन मैच जीत चुकी हैं।

उन्होंने कहा, 'हर टीम अच्छी है। किसी भी टीम ने अपनी रणनीति में बहुत अधिक बदलाव नहीं किया है। हमारा ध्यान इस बात पर है कि हम क्या कर सकते हैं और क्या हासिल करने में सक्षम हैं। विपक्षी टीम के बारे में जानकारी रखना बहुत जरूरी है। मलेशिया के खिलाफ पिछले 10 मुकाबलों में से प्रत्येक से हमें कुछ न कुछ सीखने को मिलता है।' कप्तान ने आगे बताया कि उनके दोस्त उन्हें खचाखच भरे स्टेडियम और बाहर इंतजार कर रहे बड़ी संख्या में लोगों के वीडियो भेज रहे हैं।

आईटीबीपी की परिवहन वाहिनी द्वारा आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित



हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। परिवहन वाहिनी, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसका समापन आनन्द बी. उल्लागड्डी, सेनानी परिवहन वाहिनी की ओर से विधिवत रूप से किया गया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं करवाई गईं, जिसमें भाषण प्रतियोगिता में सीनियर सकैण्डरी स्कूल, बहलाना की 10वीं कक्षा की सोनाक्षी प्रथम एवं 11वीं कक्षा की अंजली दूसरे स्थान पर रहीं। छोटे बच्चों की ड्राइंग प्रतियोगिता में मास्टर शिवांस प्रथम, मास्टर नमन तिरूवा दूसरे स्थान पर रहे जबकि कुमारी खनक ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

निबंध प्रतियोगिता में प्रथम हवलदार मकैनिक मुनेश पोसवाल, दूसरे स्थान पर हवलदार, शिक्षा राजेश कुमार, तृतीय हवलदार मकैनिक दीपक शर्मा (शार्ट वेलडर कोर्स) एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता में सिपाही जी.डी. साजिदा (महिला) एंव सिपाही भवानी पठानिया ने दूसरा स्थान हासिल किया। इस अवसर पर सभी विजेताओं को शुभकामनाओं सहित प्रशंसा पत्र प्रदान कर पुरुस्कृत किया गया।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी को अंतरराष्ट्रीय रंगत दे रहे शानदार फूड कोर्ट और विशाल एलईडी स्क्रीन



हिन्द जनपथ

जालंधर(ब्यूरो)। ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम, बरल्टन पार्क में चल रही 'एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी' एक शानदार उत्सव का रूप धारण कर चुकी है। इसका श्रेय पंजाब सरकार और जिला प्रशासन जालंधर की ओर से किए गए बेहतरीन प्रबंधों और गर्मजोशी भरे आतिथ्य को जाता है। हरे-भरे परिवेश, उत्साहपूर्ण माहौल और आधुनिक सुविधाओं ने इस क्षेत्र के सबसे बड़े खेल आयोजन को अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्वरूप प्रदान किया है।

जिले भर से हॉकी प्रेमी इस उत्सवपूर्ण माहौल का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में स्टेडियम पहुंच रहे हैं। दर्शकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए प्रशासन की ओर से स्टेडियम के निकट विशाल सार्वजनिक पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही खान-पान के लिए शानदार फूड कोर्ट भी स्थापित किए गए हैं। यहां दर्शक विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेने के साथ-साथ बाहर लगाई गई विशाल एलईडी स्क्रीन पर हॉकी के मुकाबलों का सीधा प्रसारण भी देख रहे हैं।

रात होते ही स्टेडियम सजावटी रोशनी से जगमगा उठता है, जो वहां मौजूद हजारों लोगों के लिए मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करता है। छोटी से छोटी बात का भी बारीकी से ध्यान रखते हुए किए गए प्रबंधों के कारण मेजबान शहर खेल प्रेमियों को विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान कर रहा है।

राष्ट्रीय स्तर पर एसजीएसटी की 14 प्रतिशत वृद्धि के मुकाबले पंजाब के एसजीएसटी नकद संग्रह में अक्टूबर माह के दौरान 28 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज: हरपाल सिंह चीमा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी एवं कर मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां घोषणा की कि पंजाब ने अक्टूबर 2026 के दौरान स्टेट गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (एसजीएसटी) के नकद संग्रह में 28.29 प्रतिशत की असाधारण वृद्धि दर्ज की है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर एसजीएसटी संग्रह में लगभग 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि राजस्व संग्रह के प्रयासों को मजबूत करने, कर अनुपालन में सुधार लाने और कर चोरी रोकने के लिए राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है।



कर संग्रह के ताजा आंकड़ों का खुलासा करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, 'पंजाब का एसजीएसटी नकद संग्रह अक्टूबर 2025 के 803.07 करोड़ रुपये से बढ़कर अक्टूबर 2026 में 1,030.29 करोड़ रुपये हो गया है। इस प्रकार 227.22 करोड़ रुपये का अतिरिक्त संग्रह हुआ और 28.29 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की गई।'

इस उपलब्धि पर प्रकाश डालते हुए वित्त मंत्री चीमा ने बताया, 'अप्रैल माह में लगभग 1,182 करोड़ रुपये का संग्रह होने के बाद पंजाब ने वर्ष 2026 के दौरान दूसरी बार 1,000 करोड़ रुपये के एसजीएसटी नकद संग्रह का आंकड़ा पार किया है।' उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद यह पहली बार है, जब पंजाब ने अक्टूबर माह के दौरान 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का एसजीएसटी नकद संग्रह हासिल किया है।

वित्त मंत्री ने आगे बताया कि अक्टूबर 2026 के दौरान पंजाब का कुल जीएसटी संग्रह 2,716.60 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जबकि अक्टूबर 2025 में यह 2,393.22 करोड़ रुपये था। इस प्रकार 323.38 करोड़ रुपये की वृद्धि के साथ लगभग 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

चालू वित्त वर्ष के दौरान राष्ट्रीय रुझान की तुलना में पंजाब के बेहतर प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए चीमा ने कहा, 'राज्य के कुल संचयी जीएसटी राजस्व में अप्रैल-अक्टूबर 2026 के दौरान 16.39 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि इसी अवधि के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर कुल जीएसटी संग्रह में लगभग 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।' उन्होंने कहा कि पंजाब के राजस्व में लगातार हो रही वृद्धि बेहतर निगरानी, प्रौद्योगिकी आधारित जांच और मजबूत प्रशासन की कार्यकुशलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

संचयी प्रदर्शन का विवरण साझा करते हुए वित्त मंत्री चीमा ने बताया कि अप्रैल-अक्टूबर 2026 के दौरान पंजाब का कुल जीएसटी संग्रह 18,047.68 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के दौरान यह 15,505.66 करोड़ रुपये था। इस प्रकार 2,542.02 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ।

वैट और सीएसटी के तहत शानदार प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए वित्त मंत्री ने खुलासा किया कि अक्टूबर 2026 के दौरान इन दोनों कर मदों के तहत संयुक्त संग्रह 23.76 प्रतिशत बढ़कर 763.49 करोड़ रुपये हो गया, जो अक्टूबर 2025 के दौरान 616.93 करोड़ रुपये था। उन्होंने बताया कि इससे 146.56 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ।

वित्त मंत्री चीमा ने कहा कि जीएसटी, वैट और सीएसटी में हुई यह उत्साहजनक वृद्धि बेहतर निगरानी, नियमों के अनुपालन और प्रभावी प्रशासनिक कदमों के माध्यम से सभी प्रमुख कर स्रोतों से राजस्व बढ़ाने के लिए पंजाब सरकार के व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाती है।

अमृतसर में नशा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, 5 किलो हेरोइन सहित दो काबू

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़/अमृतसर: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशानुसार पंजाब को नशामुक्त राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई), अमृतसर ने नशा तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश कर दो व्यक्तियों को 5 किलो हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान महिंदर सिंह और कुलवंत सिंह के रूप में हुई है। दोनों अमृतसर के मुस्तफाबाद के निवासी हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उक्त आरोपी अज्ञात व्यक्तियों से हेरोइन की खेप प्राप्त करते थे और राज्य में आगे अन्य लोगों को इसकी आपूर्ति करते थे।

कार्रवाई का विवरण साझा करते हुए उन्होंने बताया कि सीआई अमृतसर की टीमों को पुख्ता सूचना मिली थी कि महिंदर सिंह और कुलवंत सिंह कुछ अज्ञात व्यक्तियों के साथ मिलकर हेरोइन की अवैध तस्करी कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि सूचना के अनुसार दोनों आरोपियों ने हाल ही में हेरोइन की एक बड़ी खेप प्राप्त की थी और इसे आगे



किसी अन्य व्यक्ति को सौंपने के लिए अमृतसर-बटाला रोड की ओर जा रहे थे। इस सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने छापेमारी की और मुधल बाईपास के निकट दोनों संदिग्ध आरोपियों को 5 किलो हेरोइन सहित गिरफ्तार कर लिया। डीजीपी ने कहा कि इस नेटवर्क में शामिल अन्य व्यक्तियों की पहचान करने और पूरे नशा तस्करी नेटवर्क का खात्मा करने के लिए आगे की जांच जारी है।

इस संबंध में थाना स्टेट स्पेशल ऑपरेशंस सेल (एसएसओसी), अमृतसर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 और 29 के तहत 1 नवंबर, 2026 को एफआईआर नंबर 71 दर्ज की गई है।

कैंसर पीड़ित 73 वर्षीय विधवा ने राष्ट्रपति से लगाई गुहार, चंडीगढ़ में अपनी संपत्ति बेचने की अनुमति मांगी

संपत्ति के हिस्सों की बिक्री पर लगी रोक से इलाज और सम्मानजनक जीवन जीने में आ रही परेशानी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चंडीगढ़ में संयुक्त संपत्तियों के हिस्सों की बिक्री पर लगी रोक का मामला अब राष्ट्रपति भवन तक पहुंच गया है। सेक्टर-15 बी स्थित मकान नंबर 1010 की 73 वर्षीय मालकिन पूजा भारत कपूर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर इस मामले में मानवीय आधार पर हस्तक्षेप करने की अपील की है।

कैंसर से जूझ चुकीं पूजा भारत कपूर ने अपने पत्र में बताया कि वह कैंसर सर्वाइवर हैं और उपचार के बाद होने वाली गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उनकी शारीरिक गतिशीलता भी सीमित हो गई है। उनके पति का निधन हो चुका है और वह अपनी देखभाल, इलाज तथा सम्मानजनक जीवन के लिए आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रही हैं।

राष्ट्रपति को भेजे गए पत्र के अनुसार, उन्होंने वर्ष 2016 में पंजीकृत सेल डीड के माध्यम से मकान नंबर 1010, सेक्टर-15 बी, चंडीगढ़ में एक निर्धारित हिस्से का कानूनी स्वामित्व हासिल किया था। उनका कहना है कि यह संपत्ति जनवरी 2023 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले खरीदी गई थी और चंडीगढ़ प्रशासन ने भी उनके स्वामित्व को मान्यता दी थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट के 10 जनवरी 2023 के फैसले के बाद चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा 9 फरवरी 2023 को जारी सार्वजनिक नोटिस की व्याख्या के चलते परिवार से बाहर के लोगों को संपत्ति के हिस्से हस्तांतरित करने पर प्रभावी रोक लग गई है। इसके कारण वह अपनी कानूनी रूप से खरीदी गई संपत्ति का बाजार मूल्य प्राप्त करने में असमर्थ हैं।

पूजा कपूर ने राष्ट्रपति से सवाल उठाया है कि यदि किसी बुजुर्ग या गंभीर बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को अपनी संपत्ति बेचने की अनुमति नहीं मिलती, तो वह अपने इलाज और देखभाल के लिए धन की व्यवस्था कैसे करेगा? उन्होंने यह भी सवाल किया कि संपत्ति के उत्तराधिकार, विरासत, वसीयत और उपहार देने के अधिकारों पर इस प्रतिबंध का क्या प्रभाव पड़ेगा। जिन लोगों का कोई कानूनी वारिस नहीं है, उनकी संपत्ति का भविष्य क्या होगा?

उन्होंने स्पष्ट किया कि वह चंडीगढ़ की विरासत और उसके मूल स्वरूप को सुरक्षित रखने के उद्देश्यों के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि अपनी पहले से खरीदी गई संपत्ति के कानूनी अधिकारों का उपयोग करने का अवसर चाहती हैं।

चण्डीगढ़ में प्रॉपर्टी के हिस्सों की बिक्री पर लगी रोक हटाने की मांग को लेकर गृह मंत्री अमित शाह से हस्तक्षेप की अपील की

चण्डीगढ़ : शहर में संयुक्त रूप से स्वामित्व वाली आवासीय संपत्तियों के शेयर की अलग-अलग बिक्री पर लगी रोक को समाप्त करने की मांग को लेकर प्रॉपर्टी शेयरहोल्डर्स वेलफेयर एसोसिएशन, चंडीगढ़ ने आवाज बुलंद की है। एसोसिएशन की ओर से शनिवार को सेक्टर-27 स्थित चंडीगढ़ प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस प्रतिबंध के कारण हजारों परिवारों को हो रही आर्थिक और सामाजिक परेशानियों को उजागर किया गया।

एसोसिएशन ने विशेष रूप से वरिष्ठ और अति वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं पर चिंता जताते हुए कहा कि 9 फरवरी 2023 से लागू प्रतिबंध के कारण लोगों की जीवनभर की कमाई उनकी अपनी संपत्तियों में फंसी हुई है। लगभग तीन साल नौ महीने बीत जाने के बावजूद लोग अपने कानूनी हिस्से का मूल्य प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं। इसके चलते बच्चों की शिक्षा, विवाह, चिकित्सा खर्च, कर्ज की अदायगी और सेवानिवृत्ति से जुड़ी योजनाएं प्रभावित हो रही हैं।

एसोसिएशन की ओर से एडवोकेट खिंदरिया, ब्रिगेडियर प्रदीप शर्मा, हरपाल सिंह, भूपिंदर सिंह एवं पूजा भारत कपूर आदि ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि इस प्रतिबंध से सबसे अधिक प्रभावित वरिष्ठ नागरिक हैं, जिन्होंने अपनी जीवनभर की बचत संयुक्त संपत्तियों में निवेश की थी। जीवन के इस पड़ाव पर उन्हें चिकित्सा, देखभाल और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए धन की आवश्यकता है, लेकिन अपनी संपत्ति में कानूनी हिस्सेदारी होने के बावजूद वे उसका लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। एसोसिएशन ने संविधान के अनुच्छेद 41 का हवाला देते हुए कहा कि वृद्धावस्था में नागरिकों को सहायता उपलब्ध करवाना राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांतों का हिस्सा है।

सेक्टर-23 स्थित श्री मुनि जी की धर्मशाला में भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत ज्ञान सत्र का शुभारंभ

चण्डीगढ़ : धार्मिक आस्था, श्रद्धा और भक्तिभाव के वातावरण में आज श्री मुनि जी की धर्मशाला, सेक्टर-23-डी में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत ज्ञान सत्र का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं, पुरुषों एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला।

इस अवसर पर मुनि मंदिर के प्रधान दिलीप चंद गुप्ता एवं महासचिव ओ.पी. पाहवा विशेष रूप से उपस्थित रहे। वहीं शिव मंदिर, सेक्टर-23 से अरविंद शर्मा एवं रमेश शर्मा के साथ रजनीश कालिया, गिरीश शर्मा, नरेश कुमार एवं शाखा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में भक्तजन भी कलश यात्रा में शामिल हुए। सभी श्रद्धालुओं की सहभागिता ने इस धार्मिक आयोजन की शोभा को और बढ़ाया।

इस सात दिवसीय श्रीमद्भागवत ज्ञान सत्र में कथा वाचन का दायित्व डॉ. स्वामी वागीश स्वरूप ब्रह्मचारी महाराज निभाएंगे, जबकि श्रीमद्भागवत का मूल पाठ अमर देव शास्त्री द्वारा किया जाएगा। दोनों विद्वानों के सान्निध्य में श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत के दिव्य प्रसंगों, भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं तथा धर्म, भक्ति और सदाचार से जुड़ी शिक्षाओं का श्रवण करने का अवसर प्राप्त होगा। यह धार्मिक आयोजन 31 अक्टूबर से 6 नवंबर 2026 तक श्री मुनि जी की धर्मशाला, सेक्टर-23-डी, चंडीगढ़ में चलेगा। प्रतिदिन प्रातः 8 से दोपहर 12 बजे तक कथा मूल पाठ तथा सायं 4 से रात्रि 8 बजे तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन होगा। 6 नवंबर को हवन, कथा समापन एवं पूर्णाहुति के पश्चात दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजक पंडित दीप राम भारद्वाज एवं परिवार ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए शहरवासियों एवं धर्मप्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने और इस पावन आयोजन में सहभागी बनकर धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की।

ग्लिटरेटी – पारिवारिक उत्सव में दिवाली की धूम, पीरमुच्छल्ला-ढकोली के सैकड़ों परिवारों ने लिया हिस्सा

बेबी शो, डिज्नी परेड, जादू का शो और मनोरंजक गतिविधियां रहीं मुख्य आकर्षण; किंडर कैसल स्कूल ने किया भव्य आयोजन

हिन्द जनपथ

जीरकपुर(ब्यूरो)। किंडर कैसल स्कूल द्वारा 31 अक्टूबर 2026 को ओपेरा गार्डन शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में 'ग्लिटरेटी – पारिवारिक उत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। पीरमुच्छल्ला-ढकोली क्षेत्र के प्रमुख दिवाली उत्सवों में शामिल इस कार्यक्रम में सैकड़ों परिवारों, बच्चों, सामाजिक माध्यमों से जुड़े प्रभावशाली व्यक्तियों और क्षेत्र की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मनोरंजन, रचनात्मकता और उत्सव के रंगों से सजे इस आयोजन ने पूरे क्षेत्र को दिवाली की खुशियों और उमंग से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम में बच्चों और परिवारों को मनोरंजन के साथ-साथ एक-दूसरे से जुड़ने और त्योहार की खुशियां साझा करने का शानदार अवसर मिला।



कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में नन्हे बच्चों की प्रतियोगिता, आकर्षक डिज्नी परेड, रोमांचक जादू का शो तथा खानपान, जीवनशैली और खरीदारी से जुड़े विभिन्न स्टॉल शामिल रहे। इसके अलावा बच्चों के लिए कई मनोरंजक एवं रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें उन्होंने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस अवसर पर सामाजिक माध्यमों से जुड़े कई प्रभावशाली व्यक्तियों और क्षेत्र की प्रतिष्ठित हस्तियों की मौजूदगी ने आयोजन की रौनक को और बढ़ा दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान बच्चों और परिवारों में खासा उत्साह देखने को मिला।

इस अवसर पर किंडर कैसल स्कूल की निदेशक सुश्री जैस्मिन सहगल बजाज ने कहा कि बच्चों को किताबी शिक्षा के साथ-साथ अपनी संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों के महत्व से परिचित करवाना भी बेहद जरूरी है। ऐसे आयोजन बच्चों में आपसी मेलजोल, रचनात्मकता, खुशियां बांटने और सामुदायिक भावना को मजबूत करते हैं। दिवाली जैसे त्योहार बच्चों को हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारिवारिक मूल्यों से जोड़ने का एक सुंदर माध्यम हैं।

संपादकीय

विधान परिषद चुनावों से मिले नतीजों से आगामी अनुमान बेमानी

चार राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार, कर्नाटक व महाराष्ट्र की विधान परिषद की 28 सीटों पर हुए चुनावों से मिले नतीजों से यह सन्देश जा रहा है कि जिस राज्य में जिस भी पार्टी या गठबन्धन की सरकार है, लोगों में उसके प्रति अनमनापन है, विशेषकर पढ़े-लिखे समाज में। इन चुनाव में केवल स्नातक शिक्षा पास करने वाले सामान्य मतदाता व शिक्षक ही मतदान करते हैं तो उनके रुख से यह नतीजा आसानी से निकाला जा सकता है कि लोग अपने-अपने राज्यों में किये जा रहे विविध विकास कार्यों से सन्तुष्ट नहीं हैं।इसके साथ राष्ट्रीय राजनीतिक पटल पर भी उत्तेजना का भाव देखा जा सकता है। चारों राज्यों में से सर्वाधिक 11 सीटों पर उत्तर प्रदेश में चुनाव हुए थे। इस राज्य में भाजपा की योगी आदित्यनाथ सरकार पिछले दस साल से सत्ता पर काबिज है अतः चुनाव परिणाम चौंकाने वाले बिल्कुल नहीं कहे जा सकते क्योंकि छह सीटें भाजपा ने जीती हैं और पांच सीटों पर श्री अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ने विजय प्राप्त की है। यदि राजनीतिक स्तर पर सत्तारूढ़ एनडीए व विपक्षी इंडिया गठबन्धन के स्तर पर देखा जाये तो 15 सीटें एनडीए के खाते में और 13 सीटें इंडिया गठबन्धन के खाते में गई हैं।राज्यवार हिसाब किया जाये तो उत्तर प्रदेश में भाजपा को छह व समाजवादी पार्टी को पांच सीटें मिली हैं। महाराष्ट्र की पांच सीटों में से स्तारूढ़ महायुती (एनडीए) को दो व विपक्षी महाविकास अघाड़ी (इंडिया) को तीन सीटें मिली हैं। कर्नाटक में चारों सीटें एनडीए ने जीत ली हैं मगर बिहार की आठ सीटों में एनडीए को चार व चार ही निर्दलीयों समेत विपक्षी दलों को गई हैं लेकिन कर्नाटक एक मात्र ऐसा राज्य है जहां कि चार में से चार सीटें विपक्षी गठबन्धन एनडीए के खाते में गई हैं। इस राज्य में कांग्रेस की डी.के. शिवकुमार सरकार है।हालांकि कांग्रेस के चारों सीटें हार जाने से उसकी सरकार के स्थायित्व पर कोई असर नहीं पड़ेगा मगर राज्य विधान परिषद में उसकी स्थिति जरूर कमजोर होगी क्योंकि 75 सदस्यीय विधान परिषद में कांग्रेस के कुल 38 सदस्य हैं जो कि बहुमत का मुहाना है। किसी भी सरकार की नैतिक विजय के लिए राज्य के दोनों सदनों में अच्छा बहुमत बहुत मायने रखता है।

अतः कर्नाटक में भाजपा ने चार में से तीन सीटें जीतकर व एक उसके सहयोगी जनता दल (एस) ने अपने पास रखकर साफ सन्देश दे दिया है कि डी.के. शिवकुमार की राह आसान नहीं है।

भारत को तकनीक का उपभोक्ता नहीं, निर्माता बनना होगा

रंजना मिश्रा

इक्कीसवीं सदी में किसी देश की ताकत का आकलन केवल उसकी अर्थव्यवस्था के आकार, सैन्य क्षमता या आबादी से नहीं, बल्कि ज्ञान-विज्ञान, मौलिक शोध और तकनीकी नवाचार में उसकी उपलब्धियों से भी होता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा और सेमीकंडक्टर जैसी तकनीकें वैश्विक अर्थव्यवस्था की दिशा तय कर रही हैं। इनका असर राष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर आम आदमी के जीवन तक दिखाई देता है। ऐसे में भारत को सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने के लिए शोध और नवाचार को विकास की प्राथमिकताओं में सर्वोच्च स्थान देना होगा।



भारत की उपलब्धियां इस दिशा में उम्मीद जगाती हैं। मगर सवाल है कि क्या इस प्रतिभा को मौलिक खोजों और अत्याधुनिक तकनीकों के विकास के लिए अवसर मिल रहे हैं? मोबाइल फोन से लेकर आधुनिक चिकित्सा उपकरणों, सेमीकंडक्टर और रक्षा तकनीक तक अनेक क्षेत्रों में भारत अब भी विदेशी तकनीक, उपकरणों और घटकों पर निर्भर है। घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के प्रयासों के बावजूद कई महत्त्वपूर्ण तकनीकों के विकास में आत्मनिर्भरता हासिल करना बाकी है।

रक्षा क्षेत्र में भी स्वदेशी प्रणालियों की प्रगति के साथ कुछ जटिल उपकरणों और तकनीकों के लिए विदेशी निर्भरता बनी हुई है। यह स्थिति बताती है कि तकनीक का इस्तेमाल करने और उसका मौलिक विकास करने के बीच बड़ा अंतर है। कोई देश दूसरे की तकनीक अपनाकर आर्थिक प्रगति तो कर सकता है, लेकिन दीर्घकालीन नेतृत्व के लिए उसे अपने ज्ञान और शोध की बुनियाद मजबूत करनी ही होगी। भारत में अनुसंधान एवं विकास पर सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 0.7 फीसद खर्च किए जाने का अनुमान लंबे समय से चिंता का विषय रहा है। इसके मुकाबले दक्षिण कोरिया और इजरायल जैसे देश अपनी अर्थव्यवस्था का कहीं अधिक हिस्सा शोध पर लगाते हैं। चीन और अमेरिका भी इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश करते हैं। अलग-अलग देशों के आंकड़ों और उनकी गणना-पद्धतियों में अंतर हो सकता है, लेकिन साफ है कि भारत को शोध में निवेश बढ़ाने की जरूरत है। विशाल आबादी, तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और विकास संबंधी जरूरतों वाले देश के लिए शोध पर एक फीसद से कम खर्च पर्याप्त नहीं है।

विकसित अर्थव्यवस्थाओं में उद्योग जगत अनुसंधान एवं विकास पर बड़ी रकम खर्च करता है, क्योंकि नई तकनीक वहां प्रतिस्पर्धा, उत्पादकता और बाजार में टिके रहने का आधार है। भारत में भी कुछ कंपनियां इस दिशा में काम कर रही हैं, लेकिन समग्र रूप से निजी निवेश और उद्योगों की शोध क्षमता को और मजबूत करने की जरूरत है। तैयार तकनीक आयात करना या विदेशी कंपनियों से समझौते कर लेना कई बार व्यावसायिक रूप से आसान होता है, लेकिन इससे घरेलू मौलिक शोध को अपेक्षित प्रोत्साहन नहीं मिलता। उद्योगों को विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के साथ मिलकर दीर्घकालीन परियोजनाओं में निवेश करना चाहिए।

शोध की कमजोर बुनियाद का एक बड़ा कारण हमारी शिक्षा व्यवस्था भी है। वैज्ञानिक सोच का विकास प्रयोगशालाओं से पहले कक्षाओं में होता है, जहां बच्चों में सवाल पूछने, तर्क करने और किसी बात को प्रमाण के आधार पर परखने की प्रवृत्ति विकसित की जानी चाहिए। मगर शिक्षा का बड़ा हिस्सा अब भी पाठ्यक्रम पूरा करने और परीक्षाओं में अधिक अंक लाने तक सीमित रह जाता है। विज्ञान की पढ़ाई में प्रयोगों और व्यावहारिक गतिविधियों की कमी बच्चों की स्वाभाविक जिज्ञासा को सीमित कर देती है। जब किसी विद्यार्थी को किसी घटना के पीछे का कारण समझने के बजाय केवल परिभाषा याद करने के लिए प्रेरित किया जाएगा, तो उसमें मौलिक सोच विकसित करना कठिन होगा। इसके अलावा, अनेक विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में प्रयोगशालाओं, आवश्यक उपकरणों और पर्याप्त शोध-वित्त की कमी है। शिक्षकों के रिक्त पद, संसाधनों का असमान वितरण और प्रशासनिक जिम्मेदारियों का बोझ भी शैक्षणिक गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। इसका असर उन विद्यार्थियों पर अधिक पड़ता है, जिनकी प्रतिभा को आगे बढ़ने के लिए अवसरों और मार्गदर्शन की जरूरत होती है। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्रियां देना नहीं, बल्कि ज्ञान का विस्तार करना, समस्याओं के समाधान खोजना और स्वतंत्र चिंतन को प्रोत्साहित करना भी है।

समाज में सफलता की प्रचलित परिभाषा भी इस चुनौती को बढ़ाती है। अक्सर किसी युवा की उपलब्धि को उसकी नौकरी, पद और वेतन से मापा जाता है। समस्या तब पैदा होती है, जब शोध और अकादमिक करिअर को अनिश्चित, कम आकर्षक या कम प्रतिष्ठित समझा जाने लगता है। प्रतियोगी परीक्षाओं और कोचिंग पर बढ़ती निर्भरता भी कई बार सीखने की प्रक्रिया को सीमित करके उसे प्रश्न हल करने और अंक जुटाने तक ले आती है।

शोध संस्थानों की प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार भी आवश्यक है। वैज्ञानिकों और शोधार्थियों का समय अनुदान संबंधी जटिल प्रक्रियाओं, खरीद की लंबी औपचारिकताओं और अनावश्यक कागजी कार्रवाई में खर्च नहीं होना चाहिए। वैज्ञानिक उपकरणों और प्रयोगों के लिए जरूरी सामग्री समय पर उपलब्ध होनी चाहिए। शोध के मूल्यांकन में केवल प्रकाशित शोधपत्रों की संख्या के बजाय उनकी गुणवत्ता, मौलिकता और सामाजिक उपयोगिता को महत्त्व दिया जाना चाहिए। वित्तीय जवाबदेही जरूरी है, लेकिन उसे इस तरह लागू किया जाना चाहिए कि पारदर्शिता बनी रहे और शोध कार्य भी बाधित न हो। भारतीय मूल के अनेक वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ विदेशों में महत्त्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल करते हैं। इसे केवल देश छोड़ने की प्रवृत्ति के रूप में देखने के बजाय उन परिस्थितियों को समझना जरूरी है, जिनमें प्रतिभाएं बेहतर संसाधनों, स्वतंत्रता और अवसरों की तलाश करती हैं। भारत में उन्हें अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, प्रतिस्पर्धी शोध-अनुदान, योग्य मार्गदर्शन और संस्थागत स्वायत्तता मिले, तो देश के भीतर ही विश्वस्तरीय शोध का वातावरण मजबूत हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग और वैज्ञानिकों का आवागमन भी ज्ञान के विस्तार में मदद कर सकता है। भारत के पास युवा आबादी, व्यापक वैज्ञानिक आधार और बड़ी घरेलू अर्थव्यवस्था जैसी महत्त्वपूर्ण ताकतें हैं। जरूरत इनका इस्तेमाल दूरदर्शी शोध नीति के साथ करने की है। सरकार को अनुसंधान पर निवेश बढ़ाने, निजी क्षेत्र को भागीदार बनाने, स्कूली शिक्षा में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने और विश्वविद्यालयों को शोध के अनुकूल संसाधन देने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। साथ ही, वैज्ञानिकों को प्रशासनिक बाधाओं से मुक्त करते हुए जवाबदेही और स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना होगा। आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल देश में वस्तुओं का उत्पादन करना नहीं, बल्कि उन तकनीकों और ज्ञान का विकास करना भी है जिन पर भविष्य की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा निर्भर करेगी। भारत को यदि वैश्विक स्तर पर मजबूत और प्रभावशाली बनना है, तो उसे तकनीक का बड़ा उपभोक्ता बने रहने से आगे बढ़कर उसका निर्माता और मौलिक ज्ञान का सृजक बनना होगा। **-साभार**

कहानी : अनुकम्पा

आदित्य नारायण

बाबूजी... बाबूजी... यह क्या हो गया? कैसे हो गया? कौन सा दुश्मन जालिम बन कर यह हाल कर गया। बाप रे बाप, हमारे घर की मुख्य बल्ली (सहारा) ही गिर गई। अब कहाँ शरण मिलेगी ए दादा! अब हम कहाँ जाएँगे। बाबूजी को इस हाल में देखकर सुनील घबराकर रोते हुए कहने लगा।

भोर का समय था। किरणें आधी बाहर और आधी भीतर आ चुकी थीं। चिड़ियों की चहचहाहट और कुलबुलाहट शुरू हो गई थी। गाँव के भीतर एक तरह से जागने का माहौल बन गया था। कुछ महिलाएँ घर की साफ-सफाई और नित्यकर्म के लिए, तो कुछ पुरुष शौच आदि के लिए हाथ में लोटा लेकर बाहर निकलने लगे थे। कोई घर-आंगन में झाड़ू-पोछा लगा रहा था, तो कोई रात के रखे हुए जूठे बर्तन मांजने लगा था। कोई पशुओं को निकाल कर गौशाला में चारा-पानी दे रहा था, तो कोई कुदाल-बैसाखी लेकर खेत में लगी फसल की निगरानी और देख-भाल के लिए जाने की तैयारी कर रहा था। इसी बीच सुनील के चीख-चीख कर रोने की आवाज सुबह की किरणों की तरह गाँव के कोने-कोने में फैलने लगी। सबको समझ में आ गया था कि सुनील के घर पर जरूर कोई आफत-विपत्ति आ गई है। जरूर कोई अनहोनी बात हो गई है।

देखते ही देखते घर के सारे परिवार का रोना-पीटना शुरू हो गया। गली, चौक-चौराहा, हर जगह कानाफूसी शुरू हो गई। आग की तरह गाँव में खबर फैल गई और जो जहाँ था, वहीं से सुनील के घर पहुँचने के लिए दौड़ने लगा।

बेचारे का... सब कुछ लुट गया। भगवान जाने यह घटना कैसे हो गई।

रतन बाबू ने शाम को अच्छे से खाया-पिया था। खूब बढ़िया से बातचीत की थी। पूरे परिवार के साथ बैठकर कई तरह की योजनाएँ बनाते हुए यह समझा रहे थे कि एक साल बाद मैं एम.टी.एस की नौकरी से रिटायर हो जाऊँगा। जो पैसा रिटायरमेंट के बाद मिलेगा और पी.एल.आई में काट-काट कर बचाया हुआ जो मैच्योरिटी का पैसा मिलेगा, उससे सबसे पहले एक बढ़िया घर-वर खोजकर सुगिया के हाथ पीले करूँगा। यही तो एक लड़की है मेरी दुलारी सुगिया। सुगिया बाबूजी की बात सुनकर शर्मा गई थी और ओसारे (बरामदे) से उठकर कमरे में चली गई थी। सुनील की पत्नी सुनीता ससुर जी की बात पर चहक उठी। वह भी पीछे से सुगिया के कमरे में गई और सुगिया को गुदगुदाते हुए बोली– अब तो मेरी प्यारी-प्यारी ननद साल भर के लिए ही मेहमान हैं। जा रही हूँ ससुर जी से कहने कि मेरी ननद के लिए दूल्हा सरकारी नौकरी वाला ही चाहिए, चाहे कितना भी रुपया दहेज में क्यों न देना पड़े। बहू के मन में ननद के लिए उमड़ा हुआ प्यार देखकर सास संगीता मन ही मन निहाल हो गई। हर घर के आंगन में ननद-भाभी के स्नेह और दुलार की तुलसी इसी तरह हरी-भरी रहे। भगवान ऐसा संस्कारी बहू सबके घर में दे। इनके सुंदर व्यवहार से मन तृप्त रहता है।

रतन बाबू का सीना भी इस खुशहाल परिवार को देखकर खुशी से चौड़ा हो गया था। आज सबके परिवार में कलह, अशांति और संस्कारहीन प्रवृत्ति का आगमन हो रहा है। हर कोई कर्तव्य भूलकर अधिकार मांगता है। हम लोग भाग्यशाली हैं तभी तो बेटा-बहू का आचरण भगवान की कृपा से... नजर न लगे– बात काट कर पूरी बात करते हुए संगीता ने कहा।

सुनिए जी, अब जाइए दरवाजे पर सोने। बहुत रात हो गई है। सुबह जल्दी जागना है। नाश्ता-पानी सुबह-सुबह बनाना है। आपको ड्यूटी जाना है और नातियों को भी सुबह ही स्कूल भेजना है।

हाँ... हाँ... ठीक कहती हो। बहुत रात बीत गई। जा रहा हूँ दरवाजे पर सोने। सब समेट-सहेज कर तुम भी सो जाओ। रतन बाबू अपनी पत्नी को सब सामान सहेज कर सोने की जिम्मेदारी सौंप कर दलान में सोने चले गए।

दरवाजे पर भीड़ जमा हो गई थी। अचरज और शंका की नजर से हर कोई देख रहा था। आखिर रतन बाबू की हत्या किसने की होगी? सीधे-सादे आदमी थे। गाँव में आज तक किसी से उनकी कहा-सुनी भी नहीं हुई थी। फिर...

हत्या है या आत्महत्या, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही पता चलेगा। अब कानून को अपना काम करने दीजिए। बहुत जल्दी परदा उठ जाएगा।ज्ज थाना प्रभारी ने भीड़ को समझाते हुए कहा।

सुनील एम.ए करके बेरोजगार थे। नौकरी पाने के चक्कर लगा-लगा कर हार चुके थे। कभी किस्मत को दोष देते थे, तो कभी अपनी कमजोरी को। न कोई जुगाड़ था, न कोई पैरवी। बाबूजी से कई बार विनती की थी कि कहीं पैसों पर भी बात करके नौकरी की व्यवस्था करवा दीजिए। खेत-बारी भी इतनी नहीं थी कि उसमें से उपजे अनाज से बाल-बच्चों और परिवार का पालन-पोषण हो सके। बाबूजी की आज नौकरी है, कल रिटायर हो जाएँगे। कितना पैसा मिलेगा कि पूरे परिवार का जीवन पार लग पाएगा? यह सारी बातें सुनील के मन में अशांति पैदा कर रही थीं। आज बाबूजी के साथ अनहोनी हो गई थी। विभाग के अधिकारियों ने उनके परिवार और सुनील को ढाढस बंधाते हुए कहा– उन्हें इतने ही दिन रहना था। इंसान बहुत ईमानदार और काम के प्रति वफादार थे। उन्हें हमेशा याद रखेगा। उनकी नौकरी का एक साल बचा हुआ था। नौकरी की अवधि में मृत्यु होने पर अनुकम्पा के आधार पर इस घर में किसी एक को विभाग नौकरी देगा।ज्ज

इसी बीच दरवाजे पर दोबारा पुलिस आ गई, हाथ में पोस्टमार्टम रिपोर्ट लेकर। सब कोई घबरा गया। प्रभारी ने कहा– घबराने की जरूरत नहीं है। रतन बाबू का न तो किसी ने मर्डर किया है और न ही उन्होंने आत्महत्या की है।

यही तो एक लड़की है मेरी दुलारी सुगिया। सुगिया बाबूजी की बात सुनकर शर्मा गई थी और ओसारे (बरामदे) से उठकर कमरे में चली गई थी। सुनील की पत्नी सुनीता ससुर जी की बात पर चहक उठी। वह भी पीछे से सुगिया के कमरे में गई और सुगिया को गुदगुदाते हुए बोली– अब तो मेरी प्यारी-प्यारी ननद साल भर के लिए ही मेहमान हैं। जा रही हूँ ससुर जी से कहने कि मेरी ननद के लिए दूल्हा सरकारी नौकरी वाला ही चाहिए।

वर्ग पहेली 6261



संकेतः बाएं से दाएं
1. 7 सितंबर 1923 को यहां इंटरपोल की स्थापना हुई (3)
3. यह देश पहले फारमूसा कहलाता था जिसकी राजधानी ताइपे है (4)
6. उत्तराखंड या उत्तरप्रदेश में बहने वाली एक नदी जिसे महाकाली नदी या कालीगंगा के नाम से भी जाना जाता है (3)
7. हाथ, हस्त, महसूल (2)
8. कीडों द्वारा निर्मित एकमात्र पदार्थ जो इंसानों द्वारा खाया जाता है (3)
10. एक बार सांस लेने का समय, बल, शक्ति (2)
12. यह संसार की सबसे लंबी नदी है (लंबाई 6650 कि.मी. चौड़ाई 16 कि.मी.)(2)
14. पुनरागत, लौटा हुआ (3)
16. कूटयुक्तिकर्ता, जुगतबाज (4)
17. खुदकाश्त कृषि, घरजोत (2)
18. मटमैले रंग का प्रसिद्ध धातु (2)
20. पत्नी, लक्ष्मी, सरस्वती, स्त्री (2)
21. भगवान विष्णु का पांचवा अवतार (3)
24. भार माप, महत्व (3)
26. भिक्षा झोली, आंचल (2)
27. मुर्गे आदि पक्षी के सिर पर परों का गुच्छा (3)

संकेतः ऊपर से नीचे
1. विदेश के लिए बनाई आचार व्यवहार संबंधी नीति (5)
2. जो खुश न हो, अप्रसन्न, खिन्न (3)
3. कुल संख्या, गणना, गिनती, हिसाब (3)
4. वाक्य का अपभ्रंश वाणी (3)
5. एक प्रकार का फूल (4)
9. कंठ, गले की नली (3)
11. गृहपति, किलेदार (3)
13. शिष्टता, विवेक, तहजीब, सभ्यता (3)
15. आज्ञा, अनुमति इजाजत,अध्यादेश (5)
19. स्तुति करने वाले को यह भी कहते है (3)
21. वचन, इकरार, प्रतिज्ञा (2)
22. मेरा या मेरी (संस्कृत)(2)
23. महिला ईसाई पादरी (2)
25. पंच तत्वों में एक, आब, नीर (2)

वर्ग पहेली 6260 का हल

पे	इ	चिं	ग		सु	ल	ह
रा	त		या	मि	नी		स
ई	रा	न		ल	ल	का	र
	ना	ज	नी	न		म	त
मे		फ	र	सा		ना	ज
ष	न		द	र	मा		य
दू	भ	र			रि	पु	
त		धि	त्व		सं	त	री

व्यंग्य : फेशियल चेहरे का और सफाई व्यक्तित्व की !

विवेक रंजन श्रीवास्तव

दीपावली आते ही सफाई का ऐसा शंखनाद होता है कि घर के कोने कोने की शामत आ जाती है। साल भर जिस कबाड़ को हाथ लगाना भी गुनाह समझा जाता रहा, वह अचानक आँखों की किरकिरी बन जाता है। पुराने अखबार, टूटे खिलौने, बेकार तार और वे तमाम चीजें, जिनको जाने क्यों संजो कर रखा गया था, शायद किसी शुभ मुहूर्त में काम आने की उम्मीद रही हो, सबको घर से बाहर का रास्ता दिखाया जाने लगता है। श्रीमती जी उस कबाड़ से भी कुछ कमाई के जुगाड में कबाड़ी के इंतजार में होती हैं। हर कोई झाड़ू लेकर मैदान में उतर पड़ता है और मोहल्ले के कचरे घर की कैपेसिटी ओवर फ्लो होने लगती है।

श्रीमान जी के चेहरे पर हवाइयाँ उड़ने लगती हैं। उन्हें डर है कि कहीं सफाई के नाम पर उनकी गोपनीय अलमारी न खुल जाए। श्रीमती जी ने साफ फरमान सुना दिया कि इस बार घर का कोना कोना चमकना चाहिए। श्रीमान जी ने मुँह लटकाकर कहा कि पिछले साल भी तो सफाई हुई थी। उत्तर मिला कि पिछले साल घर चमका था, इस बार सबकी करतूतों की धूल झाड़ी जाएगी। सुनते ही उनके मुँह में दही जम गया। वे कुछ कहते भी तो क्या कहते! पत्नी के सामने ज्यादा मुँह चलाने का परिणाम वे कई बार भुगत चुके थे। अब मुँह की खाने से बेहतर उन्हें झाड़ू उठाकर कर्मयोगी बनना लगा। उधर बाजारों में दीपावली का सौंदर्य महोत्सव चल रहा है। दुकानों का मेकओवर हो रहा है, सड़कों का मेकअप हो रहा है और दीवारों पर रंग रोगन की ऐसी परत चढ़ रही है कि पुरानी बदसूरती मुँह छिपाती फिर रही है। नगर की कुछ सड़कों पर अचानक सफाई देखकर नागरिकों के मुँह में घी शक्कर घुलने लगती है। लेकिन कूड़े का ढेर जरा सा पर्दा हटते ही फिर मुँह चिढ़ाने लगता है। लगता है, सफाई ने भी ठान लिया है कि कुछ दिन के लिए ही सही, शहर का मुँह दिखाने लायक बना दिया जाए। राजनीति में तो सफाई का खेल और भी निराला है। नेता जी मंच से भ्रष्टाचार पर झाड़ू फेरने की घोषणा करते हैं। उनके मुँह से फूल झड़ते हैं, मगर उनके कर्मों की फाइल खुलते ही दूध का दूध और पानी का पानी होने लगता है। विरोधियों का मुँह काला करने में उन्हें महारत हासिल है लेकिन अपने गिरेबान में झाँकने की बारी आए तो साँप सूँघ जाता है। सवाल पूछिए तो मुँह पर ताला लग जाता है। सच सामने रखिए तो बगलें झाँकने लगते हैं। और जब जनता हिसाब माँगती है, तब वही नेता जी मुँह छिपाते फिरते हैं। वाह रे सफाई अभियान! कूड़ा हटाने से पहले कूड़ा फैलाने वालों की पहचान कौन करेगा? सच तो यह है कि सफाई का सबसे बड़ा दुश्मन घर का कूड़ा नहीं, मन का कचरा है। ईर्ष्या की धूल, अहंकार के जाले, स्वार्थ की चिकनाई और छल की कालिख चेहरे के किसी फेशियल से नहीं उतरती। किसी का हक मारकर, किसी को अपमानित करके और फिर दीप जलाकर पुण्य का हिसाब बराबर नहीं किया जा सकता। दूसरों को उपदेश देना आसान है, अपनी बुरी आदतों पर झाड़ू फेरना कठिन। इस दीपावली घर चमकाइए, गलियाँ सँवारिए और शहर को स्वच्छ बनाइए, मगर कूड़ा पड़ोसी के दरवाजे पर डालकर अपनी पीठ मत थपथपाइए।

आज का राशिफल

मेष
आज हिसाब-किताब में सतर्कता और संयमित जवाब रखे। पैसों के मामले में आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा, पर बेवजह की चीजें खरीदने से बचें। चंद्रदेव और सूर्यदेव कन्या राशि में रहकर रोज के खर्चों और पुराने बकाये भुगतानों को देखने के लिए कह रहे हैं।

वृष
आज पुराने निवेश की जांच और निरंतर प्रयास। पैसों की योजना बनाने के लिए आज का दिन सही रहेगा। आप अपनी बचत बढ़ाने और निवेश को नया रूप देने की सोच सकते हैं। ेई भी नया कदम उठाने से पहले पुराने वादों को जांच लें। केवल सुंदर दिखने के कारण कोई सामान खरीदने से बचें।

मिथुन
आज पैसों में स्पष्टता और संतुलित व्यवहार रखना होगा। पैसों के मामलों पर आज ध्यान देने की जरूरत है। घर-परिवार के खर्चों और आपसी जिम्मेदारियों को लेकर बात हो सकती है। बिना कुछ सोचे सीधे अपनी बात रखें। जोखिम भरे कामों में पैसा लगाने से आज दूर ही रहें।

कर्क
अपने जज्बात पर काबू और लंबी योजनाएं बनाए। पैसों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ सकती है। गुरु बृहस्पति सही योजना बनाने में मदद करेंगे और जरूरत के समय साथ दिलाएंगे। भावुक होकर जल्दबाजी में पैसा खर्च करा सकते हैं।

सिंह
आज दिखावे से बचाव और साथियों की सलाह काम करे। पैसों के मामले में अचानक लाभ के बजाय स्थिरता पर ध्यान दें। निजी जरूरतों या परिवार पर कुछ खर्च हो सकता है। जिससे पैसों से थोड़ा ध्यान हट सकता है, पर फिर भी अपने बजट और आने वाले खर्चों की अनदेखी न करें।

कन्या
आज खर्चों की छंटनी और योजनाबद्ध विकास करना होगा। पैसों के सही प्रबंधन और फैसलों पर ध्यान रहेगा। आप बचत और खर्चों का हिसाब काफी गंभीरता से बनाएंगे। यह फिजूलखर्चों को पहचानने का सही समय है। पैसों में थोड़े उतार-चढ़ाव देखकर बहुत ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है।

तुला
आज पुराने लेन-देन की समीक्षा और स्पष्ट बातचीत रखना होगा। पैसों के मामलों को ध्यान से देखना होगा। किसी पुराने फैसले या खरीदारी पर दोबारा सोचने की जरूरत पड़ सकती है। जल्दबाजी में कोई वादा न करें और हर कागज को अच्छे से देखने के बाद ही पैसों का लेन-देन करें। बैठकों और अपनी बात रखने में मदद करेंगे।

धनु
आज नेटवर्क से सलाह और सुरक्षित नियोजन बनाना होगा। पैसों के नए मौके दफ्तरी संपर्कों या पुरानी योजनाओं से मिल सकते हैं। आने वाले फायदे को जरूरत से ज्यादा बड़ा मानकर न चलें। अपने खर्चों को बांधकर रखें और आपातकालीन स्थिति के लिए बचत बचाकर रखें। बिना वजह का जोखिम उठाने से बचना ही सही रहेगा।

कुंभ
आज नई योजनाओं की जांच और सही सोच रखना होगा। अलग-अलग तरीकों से पैसा कमाने का मन कर सकता है। नए विचार अच्छे हैं, पर किसी अनजान जगह पैसा लगाने से पहले हर बात की जांच कर लें। जोखिम भरे कामों से बचें। सीधे और सुरक्षित रास्ते से चलना ही ज्यादा सही रहेगा। काम को बेहतर बनाने के लिए कोई नया विचार दिमाग में आ सकता है।

वृश्चिक
आज गुप्त रणनीति और नियमों से बचत होगी। अपनी आर्थिक योजनाओं को आज गुप्त रखना ही फायदेमंद रहेगा। ग्रहों की स्थिति आपको बहुत संभलकर चलने की सलाह दे रही है। अगर कहीं पैसा लगाने का सोच रहे हैं, तो पहले पूरी जानकारी निकाल लें।

मकर
आज आमदनी में सुधार और जिम्मेदारी से काम करना होगा। सही योजना बनाकर चलने से पैसों की स्थिति बेहतर हो सकती है। आप लंबी अवधि की बचत करने और फालतू बकायों को कम करने के बारे में सोचेंगे। दूसरों को प्रभावित करने के लिए खर्च न करें। आज सीधी सोच ही आपकी सबसे बड़ी ताकत रहेगी।

मीन
आज पुराने बकाये की संभाल और नियमित मेहनत काम आएगी। पैसों के मामलों में आज थोड़ी सावधानी की जरूरत है। भावनाओं में आकर खर्च न करें। अपने खर्चों को बांधकर रखें और आपातकालीन स्थिति के लिए बचत बचाकर रखें। अपने रुके हुए बकाये भुगतानों पर नजर रखें ताकि आगे चलकर तनाव न बने।

संक्षिप्त समाचार

90 दशक में छा गई थी 'रफ एंड टफ', अक्षय कुमार का चला जादू, गली-मोहल्लों के टेलर्स ने घर-घर पहुंचा दिया



नईदिल्ली, एजेंसी। 'रफ एंड टफ' जींस और देश के सबसे बड़े टेक्सटाइल समूह 'अरविंद लिमिटेड' का इतिहास भारत के स्वतंत्रता संग्राम और स्वदेशी आंदोलन से जुड़ा हुआ है। महात्मा गांधी के स्वदेशी आह्वान से प्रेरित होकर लालभाई परिवार ने साल 1931 में अरविंद मिल्स की स्थापना की थी। शुरुआत में देश को कपड़ों और रंगों के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई कदम उठाए गए। लेकिन, साल 1980 के दशक में जब कम लागत वाली बिजली मिलों से प्रतिस्पर्धा का खतरा पैदा हुआ तो कंपनी ने डेनिम उत्पादन का बड़ा रिस्क लिया। यह दांव पूरी तरह सफल रहा। कुछ ही सालों में अरविंद मिल्स लेवी स्ट्रॉस और ली जैसे ग्लोबल ब्रांड्स के लिए डेनिम का सबसे बड़ा ग्लोबल सप्लायर बन गई।

अक्षय कुमार ने बढ़ाया क्रेज: 90 के दशक की शुरुआत में देश की अर्थव्यवस्था खुली। पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव बढ़ा। तब अरविंद मिल्स ने 1995 में 'रफ एंड टफ' के रूप में अपनी स्वदेशी जींस मार्केट में उतारी। रेडीमेड कपड़ों के दौर में सिलाई दुकानों से मिलने वाली कड़ी टक्कर को भांपकर कंपनी ने अनूठी स्ट्रैटेजी अपनाई। इसे 'रेडी-टू-स्टिच' किट के रूप में बेचा। इस किट में दो पैर के कपड़े, बटन, रिवेट्स, जिप, लेदर लेबल और स्थानीय टेलर के लिए बुकलेट होती थी। इसके अलावा, अक्षय कुमार के विज्ञापन ने इस ब्रांड को उस दौर के युवाओं के बीच 'कूल' और ताकत का पर्याय बना दिया।

सिर्फ छह साल में 15 करोड़ के पार, संकट को बनाया बड़ा मौका, खड़ा कर दिया कारोबार



नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है अभिनव माथुर की। वह बेंगलुरु के रहने वाले हैं। उन्होंने सिर्फ छह साल में सफल कारोबार खड़ा कर दिया है। उनके स्टार्टअप का नाम 'समथिंग्ज ब्रूइंग' है। कोरोना लॉकडाउन के दौरान इसकी नींव रखी गई थी। यह ऐसा प्लेटफॉर्म है जो कॉफी के शौकीनों को घर पर ही कैफे जैसी बेहतरीन कॉफी बनाने के लिए खास मशीनें, उपकरण और दुनियाभर की चुनिंदा स्पेशलिटी कॉफी मुहैया कराता है। इस तरह यह स्टार्टअप कॉफी प्रेमियों के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन बन चुका है। इसने 15 करोड़ रुपये के रेवेन्यू का आंकड़ा पार कर लिया है। अभिनव ने अपने स्टार्टअप की शुरुआत साल 2020 में की। तब महामारी के चलते बीटूबी कॉफी उपकरण का कारोबार ठप पड़ गया था। कैफे बंद होने से डिमांड पूरी तरह कंज्यूमर्स की तरफ शिफ्ट हो गई थी। अभिनव ने इस बदलाव को वक्त रहते भांप लिया। उन्होंने महसूस किया कि भारतीय घरों में कॉफी शौकीनों के पास अच्छी क्वालिटी के अंतरराष्ट्रीय उपकरण खरीदने का कोई आसान जरिया नहीं है। इसी कमी को दूर करने के लिए उन्होंने इंटरनेशनल कॉफी डे यानी 1 अक्टूबर 2020 को अपनी वेबसाइट लाइव कर दी। शुरुआती दिनों में महामारी के बीच इंटरनेशनल ब्रांड्स के प्रोडक्ट्स इंपोर्ट करना और उनके सैंपल मंगाना बड़ी चुनौती थी। साथ ही वेबसाइट पर 50,000 रुपये से लेकर 2 लाख रुपये तक के महंगे प्रोडक्ट होने की वजह से नए ग्राहक बनाना भी कठिन था। इस चुनौती से निपटने के लिए अभिनव ने एक काम किया। अमेजन जैसे मार्केटप्लेस पर जाने के बजाय खुद का प्लेटफॉर्म बनाने का फैसला किया। वीडियो कॉल के जरिए ग्राहकों को लाइव कॉफी बनाकर दिखाना शुरू किया। इससे धीरे-धीरे लोगों का विश्वास बढ़ता गया। इंटरनेशनल प्रोडक्ट बहुत महंगे होते हैं। इस कारण ये एक खास वर्ग तक ही सीमित थे। इससे कारोबार के विस्तार में रुकावट आ रही थी। इस समस्या का समाधान निकालने के लिए कंपनी ने करीब एक साल बाद अपना खुद का इन-हाउस ब्रांड 'बुडान' लॉन्च किया। इसकी शुरुआती कीमत लगभग 15,000 रुपये रखी गई। इस कदम से नए और कम बजट वाले होम-ब्रूअर्स के लिए भी घर पर बेहतरीन एस्प्रेसो मशीन खरीदना आसान हुआ। इससे कंपनी की पहुंच देश के कोने-कोने तक तेजी से बढ़ गई।

शेयर बाजार में सफलता के लिए विजय केडिया ने दिया गुरू मंत्र

बोले निवेशकों के पास होनी चाहिए 3 खूबियां

मुंबई, एजेंसी। मौजूदा समय शेयर बाजार में निवेशकों के लिए काफी कठिन है। तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीद स्टॉक मार्केट में भारी गिरावट देखने को मिल रहा है। ऐसे में किसी भी निवेशक के मन कई प्रश्न खड़े होने स्वाभाविक हैं। दिग्गज इनवेस्टर्स विजय केडिया ने शेयर बाजार में निवेश करने वाले लोगों को लेकर कुछ सलाह दी है। आइए जानते हैं केडिया क्या कुछ बता रहे हैं..

क्या है सफलता की कुंजी?

इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार विजय केडिया ने शेयर बाजार में सफल होने के लिए तीन खूबियों की बात की है। पहला ज्ञान, दूसरा साहस और तीसरा धैर्य है। केडिया कहते हैं किसी भी निवेशक को कंपनियों की जानकारी जुटाना आना चाहिए। उसके बाद फैसला लेने का साहस होना चाहिए। इसके अलावा जब



स्टॉक रिटर्न नहीं दे रहा है तब भी अपने फैसले पर विश्वास करते हुए इनवेस्टेड रहना चाहिए।

निवेशकों को किसान से सीखना चाहिए

केडिया ने धैर्य के लिए किसानों का उदाहरण दिया है। उन्होंने कहा कि चीन का बांस पहले 4.5 साल के दौरान कोई भी ग्रोथ हासिल नहीं करता है। लेकिन जब यह बढ़ना शुरू करता है तो 50 से 60 फीट की ऊचाई 5 से हफ्ते में ही हासिल कर लेता है। उन्होंने कहा कि निवेशकों को लक्ष्य के प्रति पूरी जानकारी होनी चाहिए। अगर एक निवेशक लॉन्ग टर्म में पैसा बनाना चाह रहा है तो उसे इंतजार करना होगा। ना कि तेज रिटर्न देने वाले स्टॉक्स से अपने पोर्टफोलियो की तुलना शुरू कर दे।

मल्टीबैगर स्टॉक का चयन कैसे करें?

विजय केडिया कहते हैं कि मल्टीबैगर स्टॉक्स की पहचान करना आसान काम नहीं है। कोई एक ऐसा फॉर्मूला नहीं है जो बाजार की हर एक परिस्थिति में काम करे। हालांकि, उन्होंने कहा कि किसी भी कंपनी के मैनेजमेंट के लिए ईमानदारी, प्रोग्रेस करने की भूख और स्मार्ट होना जरूरी बताया है। उन्होंने लोगों के साथ एसएमआइएलइ फॉर्मूला शेयर किया है। वो कहते हैं कि स्मॉल इन साइज, अनुभव में मीडियम, बड़ी इच्छा और मार्केट में विस्तार करने की असीमित क्षमता जैसे पहलुओं को ध्यान में रखकर किसी भी कंपनी का चयन करें। केडिया के अनुसार कंपनी के प्रोडक्ट के लिए एक बड़ा मार्केट होना चाहिए। जिससे वो ग्रोथ कर पाएं। विजय केडिया कहते हैं कि निवेशक को इस बात मूल्यांकन करना चाहिए कि एक कंपनी अगले 5 से 10 साल में कितना विकास कर लेगी। वो बताते हैं कि निवेशकों को अपनी भी गलतियों से सीखना चाहिए।

क्रेडिट कार्ड से कैश निकालना फायदेमंद या नुकसानदेह जानिए

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल शॉपिंग से लेकर टिकट बुकिंग तक किया जाता है। आजकल फेस्टिव सीजन चल रहा है, तो इस दौरान इनकी मांग बढ़ गई है। ऐसे में कई लोग ऑनलाइन खरीदारी कर रहे हैं तो कई ऑफलाइन कार्ड को स्वाइप करके शॉपिंग कर रहे हैं। इस दौरान कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो क्रेडिट कार्ड से कैश निकालकर अपना कोई काम कर रहे हैं।



क्रेडिट कार्ड का ऑनलाइन या कैश की निकासी किए बिना इस्तेमाल करने पर कई बैंक छूट, कैशबैक या क्रेडिट पॉइंट्स का ऑफर भी देते हैं, लेकिन वहीं इससे कैश की निकासी पर आपको इन सभी फायदों के उल्टा नुकसान हो जाता है। आइए जानते हैं कि क्रेडिट कार्ड से कैश निकालना कितना फायदेमंद है या नुकसानदेह।

क्रेडिट कार्ड से कैश निकालने पर क्या होता है: क्रेडिट कार्ड से कैश निकालने पर बैंक या कार्ड कंपनियां अपने-अपने नियम के अनुसार, चार्ज या फीस लेती हैं। आमतौर पर देखा जाए तो क्रेडिट कार्ड से कैश निकासी पर 2.5 प्रतिशत से 3 प्रतिशत या इससे अधिक की फीस लग सकती है। यह बैंक के नियम और चार्जेज पर निर्भर करता है। लेकिन, अगर कोई कैश निकासी पर लगे चार्ज को समय पर नहीं भरता है तो उसे इसपर मोटा ब्याज भी देना पड़ सकता है।

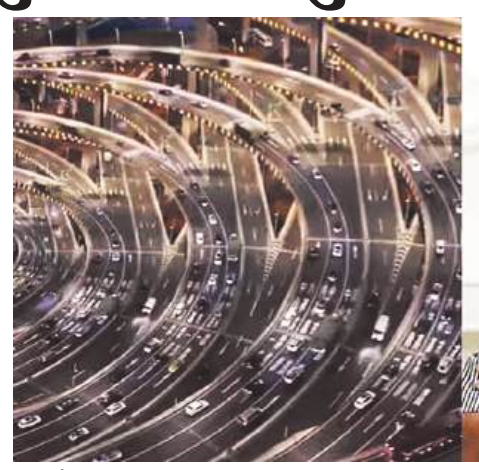
कब निकाले क्रेडिट कार्ड से कैश: बैंक अपने क्रेडिट कार्ड्स से कैश निकासी की सुविधा देते हैं, लेकिन उसके हर ट्रांजैक्शन के हिसाब से चार्ज भी लगाते हैं। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि आपकी कोशिश होनी चाहिए कि आप इन कार्ड्स से कैश निकालने से बचे। इस बैंक का क्रेडिट कार्ड लेकिन, अगर कोई इमरजेंसी आ गई, कोई मेडिकल स्थिति या चुनौती आ गई।

वीडियो देख आ जाएगा चक्कर, हर्ष गोयनका ने किया है शेयर, दुनिया की कुछ सबसे बेढब सड़कें

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर में एक से बढ़कर एक बेढब सड़कें हैं। ये सिर्फ एक जगह से दूसरी जगह जाने का जरिया नहीं हैं। इसके बजाय इंजीनियरिंग का ऐसा करिश्मा हैं जिन्हें देखकर अच्छे-अच्छों के होश उड़ जाते हैं। उद्योगपति हर्ष गोयनका ने एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें शंघाई के जाने-माने नानपु ओवरपास का वीडियो है। इसने एक बार फिर दुनिया की सबसे अनोखी और जटिल सड़कों की चर्चा को केंद्र में ला दिया है। पानी में डूबने वाले रास्तों से लेकर पहाड़ों की दीवारों पर तराशी गई खतरनाक सुरंगों और गोल चक्करों की भूलभुलैया तक ऐसे कई रास्ते हैं जो किसी अजूबे से कम नहीं हैं।

हर्ष गोयनका ने शेयर किया वीडियो: शंघाई का नानपु ब्रिज बेहद खास है। यह अपनी जटिल सर्पीली संरचना के चलते दुनियाभर में इंजीनियरों के होश उड़ाता है। जाने-माने उद्योगपति हर्ष गोयनका ने इसका छोटा सा वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किया है। इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा- शुक्र है यह अद्भुत स्ट्रक्चर शंघाई में है। अगर उन्हें वहां गाड़ी चलानी पड़ती तो उनका सिर चकरा जाता।

चक्रव्यूह जैसा दिखता है नजारा: कई लेयर में फैले इस विशाल गोल फ्लाईओवर पर गाड़ियों का रेला ऐसा लगता है कि जैसे किसी चक्रव्यूह के भीतर गाड़ियां चल रही हों। पहली बार यहां से गुजरने वाले ड्राइवरों के लिए यह किसी मानसिक कसरत से कम





नहीं है। आधुनिक शहरी वास्तुकला का यह बेहतरीन नमूना पेश करता है।

ये भी हैं रोंगटे खड़ी कर देने वाली सड़कें: दुनिया में कई और भी प्राकृतिक और मानव-निर्मित सड़कें हैं। ये अपने में अनूठी हैं। इन्हें देखकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। फ्रांस का 'पैसेज डू गोइस' ऐसा ही एक रास्ता है। यह दिन में दो बार हाई टाइड के चलते पूरी तरह पानी के नीचे डूब जाता है। अगर ड्राइवर समय का सही आकलन न कर पाए तो उसकी गाड़ी को तेजी से बढ़ते समंदर के बीच फंसने का खतरा होता है। इसके अलावा, नॉर्वे की अटलांटिक ओशन रोड सीधे समंदर के ऊपर छोटे-छोटे द्वीपों और पुलों से होकर गुजरती है। वहां तूफानी मौसम में लहरें सीधे गाड़ियों से टकराती हैं।

यह सुरंग इंसानी जिद का प्रतीक: चीन की गुओलियांग टनल रोड भी इंजीनियरिंग के साथ इंसानी जिद का ऐसा ही प्रतीक है। इस सड़क को स्थानीय ग्रामीणों ने ठोस चट्टानों को खुद काटकर तैयार किया था। यह सड़क बेहद तंग है। इस पर खिड़कियों जैसे कट आउट्स बने हैं। इनके ठीक नीचे सैकड़ों फीट गहरी खाई दिखाई देती है।

इसी तरह बोलीविया की युंगास रोड है। इसे 'डेथ रोड' के नाम से जाना जाता है। वहां संकरे रास्ते, सिक्योरिटी गार्डरेल्स की कमी और गहरी खाइयां इसे दुनिया की सबसे खतरनाक ड्राइविंग जगहों में शामिल करती हैं।

धनतेरस-दिवाली अगले हफ्ते, पर सोने-चांदी में फूंक-फूंककर खरीद, बदलती पसंद या कुछ और है वजह



नई दिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी की खरीद का सबसे पीक टाइम आ चुका है। अगले हफ्ते शुक्रवार को धनतेरस और रविवार को दिवाली है। इस दौरान भारतीय सबसे ज्यादा सोना-चांदी खरीदते हैं। हालांकि, इस साल कुछ अलग ट्रेंड है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों और घरेलू स्तर पर कीमती धातुओं के दाम दबाव में हैं। लगातार जारी उतार-चढ़ाव ने खरीदारों और ज्वैलर्स दोनों के रुख को बदल दिया है। धनतेरस और दिवाली के लिए सर्राफा बाजार पूरी तरह सज चुका है। लेकिन, इस बार बड़े ज्वैलरी ब्रांड खरीदारी को लेकर काफी सतर्क हैं। ज्वैलर्स एडवांस में इन्वेंट्री स्टॉक जमा करने से बच रहे हैं। बाजार में रिटेल बिक्री की रफ्तार और कंज्यूमर डिमांड को देखते हुए उन्होंने यह रुख अपनाया है। एमडी और सीईओ समित गुहा के मुताबिक, बड़े ज्वैलर्स अब अपनी वर्किंग कैपिटल की एफिशिएंसी को प्राथमिकता दे रहे हैं। सिर्फ जरूरत के आधार पर ही उनकी खरीदारी हो रही है।

ग्लोबल स्तर पर शेयर बाजारों में हलचल है। ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। इस कारण सोने और चांदी के दामों में हाल में गिरावट आई है। इसके बावजूद ज्वैलर्स फेस्टिव सीजन में रिटेल बिक्री के वास्तविक आंकड़ों को देखकर ही अपना स्टॉक रीस्टॉक करने का फैसला ले रहे हैं।

आम खरीदारों के व्यवहार में बदलाव वहीं, आम खरीदारों के लिए सोने और चांदी के दाम अभी भी काफी ऊंचे हैं। इससे उनके व्यवहार में बड़ा बदलाव आया है। भारतीय उपभोक्ता धनतेरस और दिवाली पर पारंपरिक रूप से जमकर आभूषण खरीदते हैं। लेकिन, अब वे छोटे ग्राम वजन वाले सिक्कों और बार्स को तरजीह दे रहे हैं। 1 ग्राम, 2 ग्राम या 5 ग्राम के सोने और चांदी के सिक्के बजट के अनुकूल होने के साथ शगुन और उपहार देने के लिए सुविधाजनक साबित हो रहे हैं। मानना है कि इस बार त्योहारी सीजन में छोटे डिनोमिनेशन के प्रोडक्ट्स की डिमांड सबसे ज्यादा है। इससे कम बजट वाले उपभोक्ता भी शुभ अवसरों पर कीमती धातुओं की खरीदारी से नहीं चूक रहे हैं।

पुरानी के बदले नई ज्वैलरी

दिवाली के ठीक बाद शादियों का सीजन शुरू होने वाला है। इसे देखते हुए बाजार को उम्मीद है कि कीमती धातुओं की मांग बनी रहेगी। हालांकि, महंगे दामों के चलते उपभोक्ता अब पुरानी ज्वैलरी के रीसाइक्लिंग और एक्सचेंज ऑफर का जमकर फायदा उठा रहे हैं। 1 किलो सोना जीतने से लेकर फ्री गोल्ड कॉइन और स्मार्टफोन तक, सोने की खरीद पर यहां मिल रहा दिवाली ऑफरयह भी पढ़ें : 1 किलो सोना जीतने से लेकर फ्री गोल्ड कॉइन और स्मार्टफोन तक, सोने की खरीद पर यहां मिल रहा

दिवाली ऑफर : उपभोक्ता सीधे कैश खर्च करने के बजाय अपने पुराने सोने को बदलकर नए डिजाइनों में ढाल रहे हैं। इससे उन्हें बढ़ती कीमतों का ज्यादा असर नहीं झेलना पड़ता।

ग्राहक भी हैं ज्यादा सतर्क : इसके अलावा प्योरिटी, वजन और हॉलमार्किंग को लेकर ग्राहक पहले से कहीं ज्यादा सतर्क हो चुके हैं। इससे विश्वसनीय ब्रांड्स और प्रमाणित रिफाइनरीज की मांग बढ़ी है। इस दिवाली पर निवेश के तरीकों में भी एक नया मोड़ देखने को मिला है। खासतौर से युवा पीढ़ी के खरीदारों के बीच। फिजिकल गोल्ड और चांदी खरीदने के अलावा 'डिजिटल गोल्ड' तेजी से लोकप्रिय ऑप्शन के रूप में उभर रहा है। डिजिटल गोल्ड के जरिए छोटी-छोटी रकम से निवेश की शुरुआत करना आसान हो गया है। ग्लोबल अनिश्चितताओं के बीच सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने का महत्व आज भी कायम है।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक डेटा लीक मामले में सेल्सफोर्स ने अपनी किसी खामी से इनकार किया

मुंबई एजेंसी। वैश्विक तकनीकी दिग्गज सेल्सफोर्स ने शनिवार को कहा कि उसने ग्राहक एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में कथित डेटा लीक के संबंध में अभी तक उसकी किसी खामी का पता नहीं चला है। ग्राहक संबंध प्रबंधन (सीआरएम) पर केंद्रित

AU SMALL FINANCE BANK

सेल्सफोर्स के एक बयान में कहा गया, फिलहाल उपलब्ध जानकारी के आधार पर, हमने इस मुद्दे से संबंधित सेल्सफोर्स मंच में किसी कमजोरी की पहचान नहीं की है। इससे पहले एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने कहा था कि उसने हैकर्स के एक समूह द्वारा बैंक की साइबर सुरक्षा में सेंध लगाने के दावों के बाद अपने वाहन ऋण ग्राहकों के संभावित डेटा लीक की जांच शुरू कर दी है। ऋणदाता ने एक बयान में कहा था, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक एक सॉफ्टवेयर सेवा मंच से जुड़े संभावित डेटा लीक की जांच कर रहा है, जिसे सेल्सफोर्स द्वारा प्रबंधित और होस्ट किया जाता है, जिसमें हमारे वाहन ऋण ग्राहकों से संबंधित सीमित डेटा है। हम फिर से पुष्टि करते हैं कि बैंक के अपने सिस्टम प्रभावित नहीं हैं और सभी बैंकिंग सेवाएं सामान्य रूप से काम कर रही हैं। सेल्सफोर्स ने शनिवार को कहा कि कंपनी अपनी नीति के तहत विशिष्ट ग्राहक मुद्दों पर टिप्पणी नहीं करती है और वह आवश्यकतानुसार ग्राहकों की मदद कर रही है।

करोड़ों की कार बनी जी का जंजाल, जिस मासेराती को चलाने का रईस देखते हैं सपना, इस उद्योगपति ने उसकी बखिया उधेड़ दी

नई दिल्ली, एजेंसी। मशहूर उद्योगपति और रेमंड ग्रुप के प्रमुख गौतम सिंघानिया ने इटली की ऑटोमोबाइल दिग्गज मासेराती की बखिया उधेड़ दी है। इससे लक्जरी और सुपरकार सेगमेंट में हलचल मच गई। इन कारों को रईस अपने बेड़े में रखने का सपना देखते हैं। यह सबकुछ ऐसे समय में हुआ है जब मासेराती भारत में नए मॉडल लॉन्च करने को तैयार है। साथ ही अपनी डीलरशिप का विस्तार करने के साथ बड़े स्तर पर दोबारा शुरुआत करने का प्लान बना चुकी है। सिंघानिया के तीखे बयानों ने कंपनी की साख पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस इतालवी कंपनी की कारें करोड़ों में आती हैं। रेमंड ग्रुप के चेयरमैन गौतम सिंघानिया ने सोशल मीडिया पर इतालवी लक्जरी कंपनी के खिलाफ बेहद आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने संभावित भारतीय ग्राहकों को मासेराती की गाड़ियां खरीदने से पहले दो



बार सोचने की सलाह दी है।

कंपनी भारत में अपने पोर्टफोलियो को मजबूत करने में जुटी है। उसने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में नई डीलरशिप शुरू की है। इस बीच में गौतम सिंघानिया की इस प्रतिक्रिया को बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है।

कड़े शब्दों में लगाया है आरोप: सिंघानिया ने कड़े शब्दों में आरोप लगाया कि बिना पुरानी कमियों को सुधारे बाजार में दोबारा उतरना स्थानीय कार प्रेमियों का अपमान है। कंपनी पुराने ग्राहकों की समस्याओं को पूरी तरह नजरअंदाज कर रही है।

गौतम सिंघानिया ने मासेराती की बिक्री के बाद मिलने वाली सेवाओं यानी आफ्टर सेल्स सर्विसेज को पूर्ण आपदा करार दिया है। उद्योगपति का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च करके सुपरकार खरीदने वाले ग्राहक ड्राइविंग के रोमांच के लिए पैसे देते हैं। न कि उन सर्विस मैनेजर्स के पीछे भागने के लिए जिनके पास समस्याओं का कोई समाधान नहीं होता।

इस पूरे विवाद के केंद्र में मासेराती की चर्चित सुपरकार 'एमसी20' है। इसे कंपनी ने साल 2021 में भारतीय बाजार में उतारा था। सिंघानिया कारों के बड़े शौकीन हैं। उन्होंने इसे अपने बेड़े में शामिल किया था।

गौतम सिंघानिया और अन्य एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस कार का सस्पेंशन बेहद असंतुलित और असहज है। सिंघानिया ने इसे दोषपूर्ण प्रोडक्ट करार दिया। उन्होंने पहले भी चेतावनी दी थी कि इसकी खराब ड्राइविंग और सस्पेंशन समस्याओं के कारण गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है। वहीं, कंपनी ने इन कमियों के लिए भारतीय सड़कों की स्थिति को जिम्मेदार ठहरा पल्ला झाड़ने की कोशिश की थी।

पहले भी खुलकर बोलते रहे हैं सिंघानिया: लग्जरी कारों के सेक्टर में यह पहला मौका नहीं है जब सिंघानिया ने किसी इंटरनेशनल ब्रांड की खामियों को खुलकर सबके सामने रखा हो। इससे पहले वह अन्य ब्रांड्स के टेस्ट ड्राइव के दौरान आई तकनीकी खराबियों पर भी सार्वजनिक रूप से असंतुष्टि जता चुके हैं।

जानकारों का मानना है कि भारत जैसे उभरते लग्जरी ऑटो बाजार में कंपनियां जहां नए मॉडल और ग्राहकों को आकर्षित करने में जुटी हैं। वहीं इस तरह के हाई-प्रोफाइल विवाद और खरीदारों के कड़वे अनुभव कंपनियों की सर्विस और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं।

क्यों है इन कारों के लिए आकर्षण: मासेराती कारें स्टेलेंटिस नाम की बहुराष्ट्रीय ऑटोमोटिव कंपनी बनाती है। स्टेलेंटिस 2021 में फिएट क्रिसलर ऑटोमोबाइल और प्यूजो ग्रुप ग्रुप) के विलय से सामने आई थी। मासेराती कारें अपनी बेजोड़ इतालवी कलाकारी, रेस, डिजाइन और दमदार इंजन की गड़गड़ाहट के लिए पूरी दुनिया में जानी जाती हैं। ये सड़क पर चलते ही अलग तरह का रुतबा और आकर्षण पैदा करती हैं। हर गाड़ी को सीमित संख्या में और प्रीमियम कारीगरी के साथ तैयार किया जाता है। इसके कारण यह आम लक्जरी गाड़ियों से हटकर एक खास पहचान देती है। इसी वजह से दिग्गज उद्योगपति और रईस इन सुपरकारों के बेजोड़ परफॉर्मेंस, लक्जरी और स्टेटस सिंबल के चलते इन्हें अपने गैराज में शान से शामिल करने का सपना देखते हैं।



साउथ एक्सेंट पर ट्रोलिंग को लेकर बोलीं ईशा देओल

अभिनेत्री ईशा देओल 15 साल बाद एक्शन-क्राइम ड्रामा फिल्म 'प्रताप' से बॉलीवुड में वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में साउथ इंडियन एक्टर्स के एक्सेंट को लेकर ट्रोल किए जाने पर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें साउथ इंडियन एक्सेंट काफी 'प्यारा' और 'क्यूट' लगता है।

ईशा ने कहा, 'जब मैं अपने डायलॉग बोलती हूं, खासकर हिंदी में, तो मैं काफी हद तक अपनी मां जैसी लगती हूं, लेकिन असल में मैं वैसी ही हूं और जिन्होंने मुझे किसी खास किरदार के लिए लिया है, वो ये बात अच्छे से जानते हैं। तो मुझे लगता है कि साउथ इंडियन लोगों का हल्का-सा एक्सेंट सुनना बहुत प्यारा और क्यूट लगता है और मुझे बहुत अच्छा लगता है।'

अभिनेत्री ने आगे बताया कि बॉलीवुड में भी ऐसी कई दिग्गज अभिनेत्रियां हैं, जिनकी बोली में साउथ इंडियन एक्सेंट सुनने को मिलता है। उन्होंने कहा, 'और भी कुछ लोगों जैसे श्री आंटी, मेरी मम्मी और उर्मिला में भी साउथ इंडियन एक्सेंट सुनने को मिलता है। उर्मिला की तो मैं बहुत बड़ी फैन हूं और उनकी बोली में जो हल्का-सा एक्सेंट आता है, वो मुझे पसंद है।'

अभिनेत्री ने आगे कहा कि लोगों के बोलने के तरीके का मजाक उड़ाने के बजाय भाषाई और सांस्कृतिक विविधता की सराहना करना जरूरी है। दरअसल, साउथ इंडियन एक्सेंट को लेकर चर्चा तब तेज हो गई जब अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने करण जौहर के टॉक शो 'कॉफी विद करण सीजन 9' में अपने साउथ इंडियन एक्सेंट को लेकर होने वाली ट्रोलिंग पर खुलकर बात की थी।

इस एपिसोड में रश्मिका अपने पति और अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ नजर आई थीं। शो के दौरान रश्मिका ने कहा कि वे दक्षिण भारत से हैं, इसलिए उनके बोलने के लहजे में वहां की झलक होना बिल्कुल स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि इसमें परेशान होने वाली कोई बात नहीं है। रश्मिका ने यह भी बताया कि वे अपनी फिल्मों के लिए खुद अलग-अलग भाषाओं में डबिंग करने में गर्व महसूस करती हैं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन ट्रोलिंग उन्हें अपना काम करने से नहीं रोक सकती।



पहली बार पंकज त्रिपाठी के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी अदिति राव हैदर

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी आगामी पारिवारिक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'पारिवारिक मनोरंजन' में अभिनेता पंकज त्रिपाठी के साथ नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि को-स्टार पंकज त्रिपाठी के साथ काम करना उनके मजेदार अनुभवों में से एक रहा। अभिनेत्री का कहना है कि पंकज त्रिपाठी का सहज ह्यूमर सीन को हल्का और मजेदार बनाने में मदद करता है। अदिति राव हैदरी ने कहा, 'पंकज जी के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करना सच में बहुत खुशी की बात थी। उनका ह्यूमर इतना सहज और नेचुरल है कि हर सीन हल्का और ज्यादा मजेदार लगने लगा।' अभिनेत्री इस फिल्म में 'हेलेन' नाम का किरदार निभा रही हैं, जो एक प्रॉपर्टी मैनेजर और हाउसकीपर के रूप में रंजन के घर आती हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने कहा, 'यह एक ऐसी फिल्म है, जिसमें हमारे दर्शकों को रोमांस, ह्यूमर और फैमिली ड्रामा देखने को मिलेगा। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसे हमारे दर्शक चाहने वालों के साथ देखना पसंद करेंगे। मुझे इस किरदार के साथ काम करने में बहुत मजा आया है। उसकी खूबियों को और वो अपने आसपास के लोगों से कैसे जुड़ती है, ये सब खोजने में।'

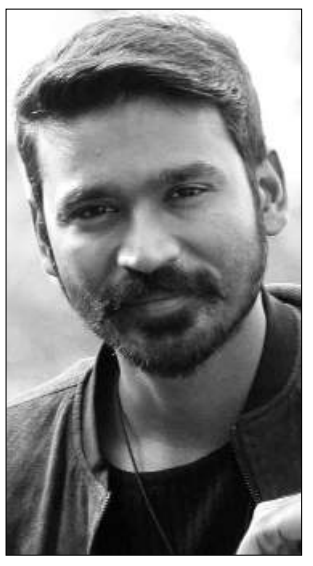
वहीं, पंकज त्रिपाठी ने फिल्म को लेकर कहा, 'मुझे इस फिल्म में इसकी सादगी, किरदारों का असल जिंदगी से जुड़ा होना और ह्यूमर के छोटे-छोटे पल बहुत पसंद आए, जो फैमिली स्टोरीज को खास बनाते हैं। इसमें परिवार की गर्मजोशी है, थोड़ा रोमांस है और वो मजा है जो इसे त्योहारों में देखने के लिए परफेक्ट बनाता है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर मुझे बहुत अच्छा लगा और मैं चाहता हूं कि दर्शक भी अपने चाहने वालों के साथ इस फिल्म को एन्जॉय करें।'

यह फिल्म एक फैमिली एंटरटेनर है, जिसमें रोमांस, ह्यूमर और फैमिली ड्रामा का तड़का है। फिल्म का मकसद त्योहारों के मौके पर दर्शकों को एक हल्की-फुल्की फिल्म देना है, जिसे वे अपने परिवार के साथ एन्जॉय कर सकें। 'पारिवारिक मनोरंजन' अदिति और पंकज की साथ में पहली फिल्म है, जो 13 नवंबर को सोनी लिव पर रिलीज होगी।



आईपीएस नित्या रेड्डी बन न्याय के लिए उठाएंगी आवाज़ साई पल्लवी

ओमः चैप्टर 1' को लेकर दर्शकों का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। इसी बीच फिल्म के निर्माताओं ने साई पल्लवी के किरदार आईपीएस नित्या रेड्डी का नया टीज़र जारी कर दिया है। टीज़र में साई पल्लवी एक बिल्कुल नए और दमदार अवतार में नज़र आ रही हैं, जो धनुष और ममूटी अभिनीत इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में एक नया रोमांच जोड़ता है। अपनी शानदार अदाकारी और सहज पर्दे पर मौजूदगी के लिए मशहूर साई पल्लवी इस बार खाकी वर्दी में नज़र आएंगी। 'ओमः चैप्टर 1' के नए टीज़र में उनके किरदार की झलक देखने को मिलती है, लेकिन कहानी में उनकी भूमिका क्या मोड़ लेकर आएगी, इसे लेकर निर्माताओं ने फिलहाल रहस्य बरकरार रखा है। साई पल्लवी के अभिनय सफर में यह किरदार एक दिलचस्प नया पड़ाव माना जा रहा है। अपने पिछले किरदारों से अलग, इस बार वह एक पुलिस अधिकारी के रूप में न्याय के लिए खड़ी नज़र आएंगी। भारतीय सिनेमा के कुछ बेहतरीन कलाकारों से सजी इस फिल्म में उनकी एंट्री ने दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। फिल्म में साई पल्लवी की भूमिका को लेकर आरटेक स्टूडियोज़ की निर्माता श्रद्धा अग्रवाल ने कहा, 'साई पल्लवी एक शानदार अभिनेत्री हैं और हम हमेशा से उनकी अदाकारी में नज़र आने वाली ईमानदारी और सहजता के प्रशंसक रहे हैं। नित्या रेड्डी फिल्म का एक अहम



किरदार है और इस भूमिका के लिए हमें उनसे बेहतर अभिनेत्री नहीं मिल सकती थी। उन्हें फिल्म से जोड़ना हमारे लिए बेहद खुशी की बात रही है और हम दर्शकों को इस भूमिका में उन्हें देखने का इंतज़ार कर रहे हैं।'

राजकुमार पेरियासामी के निर्देशन में बन रही 'ओमः चैप्टर 1' में धनुष और ममूटी के साथ साई पल्लवी, श्रीलीला और नसीरुद्दीन शाह भी अहम भूमिकाओं में नज़र आएंगे। आरटेक स्टूडियोज़ और वंडरबार फिल्म्स के बैनर तले बन रही यह फिल्म बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही एक एक्शन थ्रिलर यानी रोमांच और जबरदस्त एक्शन से भरपूर फिल्म है। साई पल्लवी के परिचय टीज़र के साथ निर्माताओं ने 'ओमः चैप्टर 1' की दुनिया की एक और झलक पेश की है।

ऑस्कर की दौड़ में शामिल हुई प्रियंका चोपड़ा की शॉर्ट फिल्म 'वी वर हियर'



अभिनेत्री और निर्माता प्रियंका चोपड़ा जोनस की भारतीय शॉर्ट फिल्म 'वी वर हियर' को ऑस्कर की रेस में शामिल होने के लिए योग्य हो गई है। इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए प्रियंका ने कहा कि यह फिल्म एक समकालीन और महत्वपूर्ण विषय को नए तथा दिलचस्प अंदाज में प्रस्तुत करती है। प्रियंका चोपड़ा जोनस इस फिल्म से कार्यकारी निर्माता के रूप में जुड़ी हैं। शॉर्ट फिल्म 'वी वर हियर' एक मॉक्यूमेंट्री है, जो भारत के एक छोटे शहर में रहने वाले तीन ऐसे बुजुर्गों की कहानी दिखाती है, जो एआई के बढ़ते प्रभाव का विरोध करने के लिए घरेलू उपकरणों का रूप धारण कर लेते हैं। फिल्म को कई बड़े शॉर्ट फिल्म फेस्टिवलों में अवॉर्ड मिल चुके हैं। पाम स्प्रिंग्स इंटरनेशनल शॉर्टफेस्ट में 'बेस्ट लाइव-एक्शन शॉर्ट फिल्म' और 'बेस्ट कॉमेडी शॉर्ट' का पुरस्कार जीतने के बाद यह फिल्म ऑस्कर की दौड़ में शामिल होने के योग्य हो गई है। अभिनेत्री-प्रोड्यूसर प्रियंका चोपड़ा जोनस ने कहा, 'यह फिल्म एक ऐसे विषय पर मजेदार अंदाज में बात करती है, जो आज के समय में बहुत जरूरी है। मैं इस क्रिएटिव टीम को सपोर्ट करने के लिए एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर तुरंत तैयार हो गई, ताकि उनकी कहानी ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे।'



बॉलीवुड में किसी को किसी की कद्र नहीं



मनोज बाजपेयी इन दिनों बॉलीवुड से कुछ ज्यादा ही नाराज चल रहे हैं। चार बार नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीत चुके मनोज की पिछली दो फिल्में 'लास्ट मैन इन टावर' और 'गर्वनर' बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई हैं। इन दिनों वह नेटफ्लिक्स पर रिलीज अपनी फिल्म 'गजब रात' को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि, इस फिल्म को भी बहुत अच्छे रिव्यूज नहीं मिले हैं। इस बीच 57 साल के एक्टर ने फिल्म इंडस्ट्री को 'एक बड़ा परिवार' मानने वाली आम धारणा को चुनौती दी है। 'गजब रात' के प्रमोशन के दौरान मनोज बाजपेयी ने कहा कि 'यह इंडस्ट्री बकवास है' और यहां किसी को किसी की कोई कद्र नहीं है।

फिल्म इंडस्ट्री कोई परिवार नहीं, ये भ्रम है

बातचीत में मनोज बाजपेयी ने कहा, 'अगर आप मुझे एक उदाहरण मानना चाहें, तो मैं एक उदाहरण हूं। मैं फिल्म इंडस्ट्री से हूं, फिर भी मुझे नहीं लगता कि मैं इसका हिस्सा हूं। जरूरी नहीं कि आप बांद्रा से ही हों। आप मलाड में रहकर भी एक्टिंग कर सकते हैं। अहम बात यह है कि आप जो भी करें, वह अच्छा हो। बाकी बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता। असल में कोई 'परिवार' या 'बिरादरी' जैसी चीज नहीं होती। सबसे बड़ा भ्रम यही है कि यह इंडस्ट्री एक परिवार है। यह किसी परिवार की तरह नहीं है। सबके ऑफिस अलग-अलग हैं, कोई किसी के साथ पार्टी नहीं करता और अगर किसी को किसी की फिल्म पसंद आ जाए, तो भी कोई फोन करके तारीफ नहीं करता।'

यहां कोई किसी की सफलता से खुश नहीं होता

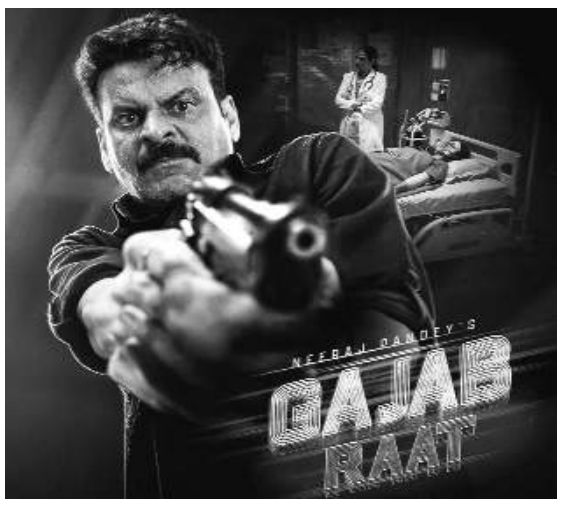
'गजब रात' एक्टर मनोज बाजपेयी ने दो टूक कहा कि इंडस्ट्री में कोई भी एक्टर किसी दूसरे की सफलता देखकर खुश नहीं होता। कोई भी डायरेक्टर खुद को दूसरे निर्देशक से कम नहीं समझता। कोई भी प्रोडक्शन हाउस किसी दूसरे प्रोडक्शन हाउस को ज्यादा पैसे कमाते देखकर खुश नहीं होता। इसलिए, इन सब बातों को अपने दिमाग से निकाल देना चाहिए।

मैं काम करता हूं, पैसे लेता हूं और घर जाता हूं

साल 2024 में ओटीटी पर रिलीज 'गुलमोहर' के लिए नेशनल अवॉर्ड पाने वाले मनोज बाजपेयी कहते हैं, 'आप अकेले आए हैं और जब आप जाएंगे, तब भी अकेले ही जाएंगे। वैसे, इस तरह की सलाह देने के लिए मैं शायद सही इंसान नहीं हूं। मैं आपको पहले ही यह डिस्क्लेमर दे देता हूं, क्योंकि मैं किसी को भी इस तरह से नहीं मानता। मैं अपना काम करता हूं, अपने पैसे लेता हूं और घर वापस आ जाता हूं।'

इंडस्ट्री में कोई भाईचारा नहीं कोई मदद के लिए नहीं आता

'सत्या' में भीखू म्हात्रे के किरदार से सिनेमा की दुनिया में चमकने वाले मनोज बाजपेयी ने आगे बताया कि वे अपने काम के तरीके पर न तो आलोचना का असर पड़ने देते हैं और न ही तारीफ का। वह कहते हैं, 'अगर आप मेरी आलोचना कर रहे हैं, तो कृपया अपने घर पर ही रहें। अगर वे मेरे बारे में कुछ अच्छी बातें कह रहे हैं, तो मैं उन्हें सुनने के लिए बहुत दूर रहता हूं। इसलिए कोई लगाव नहीं है। मुझे छोड़िए, इंडस्ट्री का कोई भी व्यक्ति, चाहे वे कितनी भी बार यह कहें कि 'इंडस्ट्री एक परिवार है' - नहीं, यह सब बकवास है। यहां कोई भाईचारा नहीं है। हम सभी अपनी-अपनी लड़ाई लड़ रहे हैं और अपनी लड़ाई लड़ने के लिए आपको पूरी तरह तैयार रहना चाहिए। कोई भी आपकी मदद करने नहीं आएगा। अगर कोई आपकी मदद के लिए आ जाए, तो समझ लीजिए कि वह आपका एक अच्छा दिन था, बस इतना ही।'



भारत बनाम न्यूजीलैंड

कोहली के खिलाफ खेलना शानदार होगा: जैकब डफी



हैमिल्टन। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी ने भारतीय दिग्गज विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। 4 नवंबर से शुरू होने वाली न्यूजीलैंड और भारत के बीच आगामी वनडे सीरीज में डफी अपने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथी खिलाड़ी कोहली का सामना करने के लिए तैयार हैं। डफी ने आईपीएल 2026 के दौरान कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया था और नेट्स में उन्हें गेंदबाजी भी की है। न्यूजीलैंड के इस तेज गेंदबाज ने इस बात पर हैरानी जताई कि भारत में एक सुपरस्टार होने और लगभग 'ईश्वर जैसी हैसियत' रखने के बावजूद कोहली कितने जमीन से जुड़े इंसान हैं। रविवार को मीडिया से बातचीत के दौरान डफी ने कहा, 'कल मेरी उनसे (कोहली) मुलाकात हुई। वह जिम में थे, वहां उनसे मिलना काफी अच्छा रहा, और उनका व्यवहार मेरे प्रति बहुत शानदार था। भारत में उन्हें लगभग एक 'ईश्वर' का दर्जा प्राप्त है - वह वहां एक मेगास्टार हैं - फिर भी उनका इतना जमीन से जुड़ा होना और आरसीबी में हम जैसे विदेशी खिलाड़ियों का स्वागत करना, वाकई बहुत अच्छी बात है। इसके लिए मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। अब जब मैंने उनके साथ ड्रेसिंग रूम भी साझा किया है, तो उनके खिलाफ खेलना वाकई शानदार होगा।' उन्होंने बताया कि जब वह आरसीबी में कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा कर रहे थे, तब उन्होंने भारतीय मैदानों पर अपनाई जाने वाली रणनीतियों के बारे में कोहली से काफी चर्चा की थी। डफी ने कहा, 'उनका काम के प्रति नजरिया बहुत शानदार है। नेट्स में मैंने उन्हें काफी गेंदबाजी की, क्योंकि वह हमेशा पहले बल्लेबाज होते थे और मैं हमेशा पहला गेंदबाज। हमने नेट्स में एक-दूसरे के सामने काफी समय बिताया है, जो कि बहुत अच्छी बात है। इसके साथ ही, उन्होंने मुझे काफी करीब से देखा है, इसलिए उनकी तैयारी भी अच्छी होगी।

हार्दिक पांड्या का बड़ा दिल...

बेसबॉल चैलेंज में जीते लाखों रुपये, जरूरतमंदों को दे दिए दान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या इन दिनों क्रिकेट के मैदान से दूर हैं, लेकिन लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस बार हार्दिक अपने क्रिकेट बैट नहीं, बल्कि बेसबॉल बैट से कमाल दिखाने को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने मशहूर कंटेंट क्रिएटर मिस्टर बीस्ट के साथ बेसबॉल चैलेंज में हिस्सा लिया और करीब 94.9 लाख रुपये की इनामी राशि अपने नाम की। खास बात यह है कि हार्दिक ने जीती हुई पूरी रकम चैरिटी के लिए दान कर दी। दरअसल, मिस्टर बीस्ट ने अपने एक वीडियो के लिए अलग-अलग क्षेत्रों की मशहूर हस्तियों को शामिल किया था। इसमें क्रिकेट जगत से हार्दिक पांड्या को मौका दिया गया। इस चैलेंज में प्रतिभागियों को बेसबॉल बैट से गेंद को मैदान के बाहर पहुंचाना था। मुकाबले में ज्यादा होम रन लगाने वाले खिलाड़ी को विजेता बनना था। हार्दिक ने अपने शानदार प्रदर्शन से मिस्टर बीस्ट को पीछे छोड़ दिया। और मुकाबला जीतकर करीब 94.9 लाख रुपये की प्राइज मनी हासिल की। जरूरतमंदों की मदद के लिए दान की रकमहार्दिक पांड्या ने इस जीत को सिर्फ अपनी उपलब्धि तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने पूरी इनामी राशि गरीब बच्चों के कल्याण और जरूरतमंद कुत्तों की देखभाल के लिए काम करने वाली कई संस्थाओं को दान करने का फैसला किया।



न्यूजीलैंड ने भारत को हराकर अंतिम टी-20 किया अपने नाम

श्रेयस-ईशान की फिफ्टी बेकार टीम इंडिया ने सीरीज 3-2 से जीती



हैमिल्टन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच में खेली गई 5 मैचों की टी20 सीरीज का आखिरी मुकाबला हैमिल्टन के सेडन पार्क में खेला गया, जिसको मेजबान न्यूजीलैंड की टीम 7 विकेट के अंतर से अपने नाम करने में कामयाब रही। न्यूजीलैंड की टीम को मुकाबले में 192 रनों का टारगेट मिला था, जिसका पीछा उन्होंने 18 ओवर्स में ही कर लिया जिसमें उनकी तरफ से टिम सीफर्ट ने 93 रनों की तो वहीं ग्लेन फिलिप्स ने नाबाद 65 रनों की अहम पारी खेली। गेंदबाजी में भारतीय टीम की तरफ से अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और नीतीश कुमार रेड्डी ने 1-1 विकेट हासिल किया। वहीं इससे पहले न्यूजीलैंड टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया था। भारतीय टीम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर्स में 8 विकेट के नुकसान पर 191 रनों का स्कोर बनाया था। टीम इंडिया की तरफ से बल्लेबाजी में ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर का कमाल देखने को मिला, जिसमें ईशान ने 61 रनों की पारी खेली तो वहीं अय्यर के बल्ले से 50 रन देखने को मिले। न्यूजीलैंड की तरफ से गेंदबाजी में एडम मिल्ने ने सबसे ज्यादा 4 विकेट जबकि नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर ने 2-2 विकेट हासिल किए थे।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

भारत - संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, नमन धीर, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, वरुण चक्रवर्ती।

न्यूजीलैंड - टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), फिन एलन, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, बेवन जैकब्स, माइकल ब्रेसवेल, मिचेल सैंटनर (कप्तान), नाथन स्मिथ, एडम मिल्ने, जैकब डफी, ब्लेयर टिकनर।

अभिषेक-सैमसन ने किया फिर निराश, ईशान ने कप्तान अय्यर के साथ संभाली पारी

हैमिल्टन के सेडन पार्क में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत काफी खराब रही जिसमें अभिषेक शर्मा एक और संजू सैमसन सिर्फ 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने मिलकर ना सिर्फ पारी को संभाला बल्कि तीसरे विकेट के लिए 93 रनों की साझेदारी करने के साथ बड़े स्कोर की नींव भी रख दी। ईशान किशन इस मैच में 32 गेंदों में 61 रनों की पारी खेलने में कामयाब रहे तो वहीं कप्तान अय्यर के बल्ले से 23 गेंदों में 50 रनों की पारी देखने को मिली।

नमन और नीतीश ने भी खेली अहम पारियां

ईशान किशन और कप्तान अय्यर के पवेलियन लौटने के साथ टीम इंडिया की पारी एकबार फिर से लड़खड़ाती हुई दिखाई दी, जिसके बाद नमन धीर और नीतीश कुमार रेड्डी ने ना सिर्फ पारी को संभाला बल्कि छठे विकेट के लिए 46 रनों की अहम साझेदारी करने के साथ स्कोर को 190 रनों तक पहुंचाने में अहम भूमिका अदा की। नमन धीर के बल्ले से 33 रन देखने को मिले तो वहीं नीतीश कुमार रेड्डी ने 22 रनों की पारी खेली।

टिम सीफर्ट और ग्लेन फिलिप्स की पारी ने मुकाबला किया एकतरफा

192 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही जिसमें उनको पहला झटका 9 के स्कोर पर फिन एलन के रूप में लगा, इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरे डेरिल मिचेल ने टिम सीफर्ट का बखूबी साथ दिया जिसमें दोनों के बीच में दूसरे विकेट के लिए 73 रनों की साझेदारी देखने को मिली। मिचेल 29 रनों की पारी खेलने के बाद पवेलियन लौटे। वहीं इसके बाद बल्लेबाजी करने मैदान पर आए शानदार फॉर्म में चल रहे ग्लेन फिलिप्स इस मुकाबले में भी अपने बल्ले से कमाल दिखाने में कामयाब रहे।

टीम इंडिया ने रचा इतिहास

साइफर्ट ने 93 रन बनाए

एक कैलेंडर ईयर में ठोक दिए 400 टी-20 सिक्स, दुनिया की पहली टीम बनी



हैमिल्टन। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में भारतीय बल्लेबाजों का बल्ला किस कदर आग उगल रहा है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि टीम इंडिया ने एक ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जो टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट के इतिहास में आज तक कोई दूसरी टीम नहीं कर सकी। टीम इंडिया अब एक कैलेंडर ईयर में 400 छक्के लगाने वाली दुनिया की पहली टीम बन गई है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी-20 मुकाबले में भारतीय बल्लेबाजों ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को अपने नाम किया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को हैमिल्टन के सेडन पार्क में सीरीज के आखिरी मुकाबले में टीम इंडिया ने कुल 11 छक्के लगाए। इसी के साथ भारतीय टीम के इस साल टी-20 इंटरनेशनल में छक्कों की संख्या 400 तक पहुंच गई। भारत ने यह उपलब्धि महज 40 मुकाबलों में हासिल की है।

भारतीय बल्लेबाजों ने किया कमाल

भारतीय टीम के इस रिकॉर्ड में न्यूजीलैंड के खिलाफ बल्लेबाजों का प्रदर्शन भी बेहद खास रहा है। इस साल भारत ने कीवी टीम के खिलाफ कुल 142 छक्के लगाए हैं, जो किसी एक कैलेंडर ईयर में एक टीम के खिलाफ लगाए गए सर्वाधिक छक्के हैं। भारतीय बल्लेबाजों में अभिषेक शर्मा इस मामले में सबसे आगे हैं। उन्होंने इस साल 86 छक्के लगाए हैं। वहीं ईशान किशन 60 छक्कों के साथ दूसरे और संजू सैमसन 50 छक्कों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। हालांकि, ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाने वाले इस मुकाबले में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। एक समय भारत ने महज 19 रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने मोर्चा संभाला।

ग्लेन फिलिप्स ने मचाया तहलका, टीम इंडिया के खिलाफ रनों का अंबार लगाकर तोड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड

हैमिल्टन। टीम इंडिया के खिलाफ न्यूजीलैंड की जीत में ग्लेन फिलिप्स ने ऐसा बल्ला चलाया कि उनके नाम एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हो गया। भारतीय गेंदबाजों के सामने फिलिप्स ने रनों की ऐसी बारिश की कि पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान और इंग्लैंड के फिल सॉल्ट जैसे धुरंधर भी पीछे छूट गए। फिलिप्स अब द्विपक्षीय टी-20 इंटरनेशनल सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दुनिया के बल्लेबाज बन गए हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली गई पांच मैचों की टी-20 सीरीज में फिलिप्स का बल्ला जमकर बोला। उन्होंने पूरी सीरीज में 341 रन बनाए। इस तरह उन्होंने द्विपक्षीय टी-20 सीरीज में सबसे ज्यादा रन जड़ने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह उपलब्धि इंग्लैंड के फिल सॉल्ट के नाम थी, जिन्होंने 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ द्विपक्षीय टी-20 सीरीज में 331 रन बनाए थे। वहीं पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान ने 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ 316 रन बनाए थे।



द्विपक्षीय टी-20 सीरीज में सबसे ज्यादा रन

341* - ग्लेन फिलिप्स बनाम भारत (2026)
331 - फिलिप साल्ट बनाम वेस्टइंडीज (2023)
316 - मोहम्मद रिजवान बनाम इंग्लैंड (2022)

ऋषभ पंत न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ तीसरे अनऑफिशियल टेस्ट से बाहर

● ट्रेनिंग शुरू की, लेकिन मैच नहीं खेलेंगे; 19 नवंबर से वेलिंगटन टेस्ट में खेलने पर सस्पेंस

नई दिल्ली। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत न्यूजीलैंड- ए के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के आखिरी अनऑफिशियल टेस्ट में नहीं खेलेंगे। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले ट्रेनिंग शुरू कर दी है, लेकिन 7 से 10 नवंबर तक लिंकन में होने वाले मुकाबले से बाहर रहेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पंत ईरानी कप फाइनल के दौरान लगी चोट से उबर रहे हैं। रेस्ट ऑफ इंडिया की ओर से खेलते समय उनकी बाईं तरफ की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। इसी वजह से वे न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरुआती दो अनऑफिशियल टेस्ट भी नहीं खेल सके। माना जा रहा था कि पंत तीसरे मैच में उतरकर सीनियर टीम की टेस्ट सीरीज से पहले मैच प्रैक्टिस हासिल कर सकते हैं। हालांकि, अब यह साफ हो गया है कि वे इस मुकाबले में नहीं खेलेंगे।

लिंकन में 7 से 10 नवंबर तक खेला जाएगा तीसरा टेस्ट - भारत-ए और न्यूजीलैंड- ए के बीच तीन मैचों की सीरीज का आखिरी अनऑफिशियल टेस्ट 7 से 10 नवंबर तक लिंकन में खेला जाएगा। पंत की गैरमौजूदगी में भारत- ए की टीम अपने मौजूदा खिलाड़ियों के साथ मैदान पर उतरेगी।



साइड स्ट्रेन से उबर रहे हैं पंत

पंत अक्टूबर के पहले सप्ताह में ईरानी कप के दौरान चोटिल हुए थे। उस मैच में वह रेस्ट ऑफ इंडिया की कप्तानी कर रहे थे और उनकी टीम ने जम्मू-कश्मीर को हराकर खिताब जीता था। साइड स्ट्रेन यानी शरीर के किनारे की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पंत दिल्ली की ओर से रणजी ट्रॉफी का शुरुआती मैच और न्यूजीलैंड ए के खिलाफ पहले दो अनौपचारिक टेस्ट नहीं खेल पाए। पंत ने अब हल्की ट्रेनिंग और बल्लेबाजी अभ्यास शुरू कर दिया है, लेकिन विकेटकीपिंग का अभ्यास अभी शुरू नहीं किया है। यही कारण है कि उनकी उपलब्धता पर मेडिकल टीम की मंजूरी जरूरी है। बल्लेबाजी के लिए तैयार होना और विकेटकीपिंग के दौरान लगातार झुकना, उठना तथा तेजी से मूव करना दो अलग तरह की शारीरिक चुनौतियां हैं।

19 नवंबर से वेलिंगटन टेस्ट में खेलने पर सस्पेंस - भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इसका पहला मुकाबला 19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होगा। पंत के तीसरे अनऑफिशियल टेस्ट से बाहर रहने के बाद अब उनके सीधे पहले टेस्ट में खेलने पर सवाल उठ रहे हैं। टीम मैनेजमेंट के सामने पंत को सीधे प्लेइंग इलेवन में शामिल करने या ध्रुव जुरेल को विशेषज्ञ विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में मौका देने का विकल्प होगा।

अफगानिस्तान ने रचा इतिहास

● फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को चटाई धूल, पहली बार जीता हांगकांग सुपर सिक्सेस का खिताब

हांगकांग सुपर सिक्सेस 2026 टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला मिशन रोड ग्राउंड, मोंग कोक में एक नवंबर को अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया की टीम के बीच में खेला गया। गुलबदीन नईब की कप्तानी में खेलने पहुंची अफगानिस्तान की टीम खिताबी मैच में इतिहास रचने में कामयाब रही जिसमें उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से मात देने के साथ पहली बार इस खिताब को अपने नाम करने में कामयाबी हासिल की। इस फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 ओवर्स में 4 विकेट के नुकसान पर 115 रनों का स्कोर बनाया था। वहीं अफगानिस्तान की टीम ने 5.1 ओवर्स में सिर्फ 2 विकेट के नुकसान पर टारगेट को हासिल करने के साथ फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया को धूल चटा दी।



ग्रुप स्टेज में साउथ अफ्रीका को भी अफगानिस्तान ने दी थी मात

अफगान टीम का हांगकांग सुपर सिक्सेस में ग्रुप स्टेज से लेकर फाइनल तक अजेय अभियान जारी देखने को मिला, जिसमें उन्होंने ग्रुप स्टेज में साउथ अफ्रीका को मात देने में कामयाबी हासिल की थी और उस मुकाबले को अफगानिस्तान ने 3 विकेट से जीता था। इसके बाद ओमान की टीम को 4 विकेट से मात देने के साथ सेमीफाइनल के लिए अपनी जगह को पक्का किया था। अफगानिस्तान की टीम का सेमीफाइनल में सामना स्कॉटलैंड से हुआ था और उन्होंने उस मुकाबले को 21 रनों के अंतर से जीता था।

इमरान नजीर की 14 गेंदों में 53 रनों की पारी ने निभाई अहम भूमिका

अफगानिस्तान को हांगकांग सुपर सिक्सेस के फाइनल मुकाबले में इमरान नजीर की पारी ने अहम भूमिका अदा की। 115 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी अफगान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी, जिसमें उन्होंने अपना पहला विकेट 15 के स्कोर पर करीम जनत के रूप में गंवा दिया तो वहीं 32 के स्कोर पर कप्तान गुलबदीन नईब भी 17 रनों की पारी खेलने के बाद पवेलियन लौट गए। यहां से बल्लेबाजी करने उतरे इमरान नजीर ने न सिर्फ पारी को संभाला बल्कि एक छोर से तेजी के साथ रन बनाने का सिलसिला शुरू किया। इमरान नजीर की ताबड़तोड़ पारी के दम पर अफगानिस्तान ने सिर्फ 5.1 ओवर्स में ही मुकाबले को अपने नाम कर लिया तो वहीं नजीर के बल्ले से 14 गेंदों में 7 छक्के और 2 चौके सहित कुल 53 रनों की नाबाद पारी देखने को मिली। वहीं फरमाउल्लाह सैफी ने भी 26 रनों की अहम पारी खेली जिसमें उनके और इमरान नजीर के बीच में तीसरे विकेट के लिए 21 गेंदों में 87 रनों की साझेदारी देखने को मिली।

न्यूज डायरी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुकुल कुरुक्षेत्र के 114वें स्थापना वर्ष समारोह एवं स्वामी श्रद्धानंद बलिदान शताब्दी समारोह में की शिरकत

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि गुरुकुल जैसी संस्थाएं भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिक मूल्यों और संस्कारों को संरक्षित रखने के साथ-साथ भावी पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने स्वामी श्रद्धानंद जी के महान व्यक्तित्व, त्याग, तपस्या और राष्ट्रसेवा के प्रति उनके समर्पण को नमन किया तथा भारतीय संस्कृति एवं वैदिक शिक्षा के प्रचार-प्रसार में गुरुकुल कुरुक्षेत्र के योगदान की सराहना की। राष्ट्रपति रविवार को कुरुक्षेत्र स्थित गुरुकुल कुरुक्षेत्र में आयोजित 114वें स्थापना वर्ष समारोह एवं स्वामी श्रद्धानंद जी के बलिदान की शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित 'बलिदान शताब्दी समारोह' में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं।

इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष, आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रतिनिधियों सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी कहा कि गुरुकुल के इस पवित्र प्रांगण में इतिहास की प्रेरणा, वर्तमान का गौरव और भविष्य का संकल्प तीनों एक साथ दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज का दिन हर हरियाणावासी के लिए विशेष है, क्योंकि प्रदेश अपनी स्थापना के 60 वर्ष पूरे कर हीरक जयंती मना रहा है। इसी शुभ अवसर पर महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद् और समाज सुधारक स्वामी श्रद्धानंद जी का बलिदान शताब्दी वर्ष तथा गुरुकुल कुरुक्षेत्र का 114वां स्थापना समारोह मनाया जा रहा है। उन्होंने स्वामी श्रद्धानंद जी को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए गुरुकुल परिवार को स्थापना दिवस और प्रदेशवासियों को हरियाणा दिवस एवं हीरक जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि ज्ञान और संस्कार के इस तीर्थ में राष्ट्रपति की उपस्थिति शिक्षा के महत्व को और अधिक रेखांकित करती है।

राष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा पुलिस का परचम, 10 जांबाज अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मिला केंद्रीय गृह मंत्री दक्षता पदक

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा पुलिस ने राष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर अपनी कार्यकुशलता, दक्षता और अदम्य साहस का परिचय देते हुए प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। वर्ष 2026 के लिए घोषित प्रतिष्ठित 'केंद्रीय गृह मंत्री दक्षता पदक' के लिए हरियाणा पुलिस एसटीएफ के 10 जांबाज अधिकारियों एवं कर्मचारियों का चयन किया गया है। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर को घोषित इन पदकों में हरियाणा पुलिस एसटीएफ के अधिकारियों को इंटेलिजेंस तथा स्पेशल ऑपरेशन (आतंकवाद-रोधी) श्रेणियों में उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। इंटेलिजेंस श्रेणी में हरियाणा पुलिस एसटीएफ के एसएसपी वसीम अकरम, डीएसपी प्रदीप , सब-इंस्पेक्टर वरुण और सिपाही वरुण जांगड़ा को इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चुना गया है। वहीं, स्पेशल ऑपरेशन श्रेणी में हरियाणा पुलिस एसटीएफ के डीएसपी अमन कुमार, सब-इंस्पेक्टर गौरव सिंह, सब-इंस्पेक्टर रणदीप सिंह, सब-इंस्पेक्टर कपिल, सब-इंस्पेक्टर संदीप तथा सिपाही साजन सिंह को पदक प्रदान करने की घोषणा की गई है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 1 फरवरी 2024 को शुरू किए गए इस पुरस्कार का उद्देश्य पुलिस बलों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के असाधारण पेशेवर कौशल, कर्तव्यनिष्ठा, विशिष्ट सेवा तथा चुनौतीपूर्ण अभियानों में उत्कृष्ट योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान देना है। यह सम्मान मुख्य रूप से स्पेशल ऑपरेशन (आतंकवाद-रोधी), उत्कृष्ट अनुसंधान, फोरेंसिक साइंस और इंटेलिजेंस जैसी महत्वपूर्ण श्रेणियों में प्रदान किया जाता है।

स्पेशल ऑपरेशन श्रेणी में हरियाणा पुलिस एसटीएफ की टीम को यह सम्मान पाकिस्तान स्थित आतंकी शहजाद भट्टी के नेटवर्क के विरुद्ध चलाए गए व्यापक और चुनौतीपूर्ण आतंकवाद-रोधी अभियान में उल्लेखनीय सफलता के लिए मिला है। हरियाणा पुलिस एसटीएफ की टीम ने सटीक खुफिया जानकारी, तकनीकी निगरानी, डिजिटल साक्ष्यों के विश्लेषण और विभिन्न राज्यों की पुलिस एजेंसियों के साथ प्रभावी समन्वय के आधार पर इस नेटवर्क के विरुद्ध सुनियोजित कार्रवाई की। इस अभियान के तहत हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में फैले आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश करते हुए कुल 24 आतंकियों एवं उनके सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया।

हरियाणा प्रदेश के 60 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिला स्तरीय हीरक जयंती समारोह आयोजित

हिन्द जनपथ

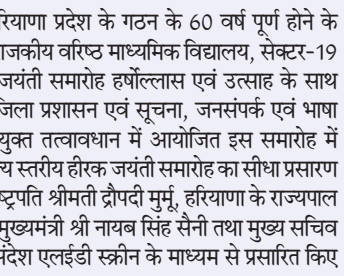
पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा प्रदेश के गठन के 60 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर-19 में जिला स्तरीय हीरक जयंती समारोह हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया। जिला प्रशासन एवं सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में कुरुक्षेत्र में आयोजित राज्य स्तरीय हीरक जयंती समारोह का सीधा प्रसारण किया गया। इस दौरान राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष, मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी तथा मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी के संदेश एलईडी स्क्रीन के माध्यम से प्रसारित किए गए।

जिला स्तरीय समारोह में नगराधीश सुश्री जागृति, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी श्री विनय प्रताप, उप जिला शिक्षा अधिकारी श्री रमेश बत्रा तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर-19 की प्राचार्या श्रीमती निर्मल ढूल ने विशेष रूप से शिरकत की।

समारोह का मुख्य आकर्षण विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर-19 के विद्यार्थियों ने मधुर स्वागत गीत से अतिथियों का अभिनंदन किया। इसके उपरांत 'हराभरा हरियाणा' गीत पर आधारित हरियाणवी नृत्य प्रस्तुति के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान और गौरवशाली परंपराओं को जीवंत कर दिया।

7वें टूर डी सनावर में भवन विद्यालय की आदिरा ने गर्ल्स कैटेगरी में हासिल किया पहला स्थान

चंडीगढ़, भवन विद्यालय, चंडीगढ़ की आदिरा ने 7वें टूर डी सनावर में सीनियर गर्ल्स कैटेगरी में पहला स्थान हासिल किया। रविवार को द लॉरेंस स्कूल, सनावर में संपन्न हुई इस दो दिवसीय माउंटेन बाइकिंग प्रतियोगिता में देशभर से करीब 180 युवा साइकिलिस्टों और ओपन कैटेगरी के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने कसौली की पहाड़ियों में बने चुनौतीपूर्ण ट्रैक पर अपनी रफ्तार, दमखम और कौशल का प्रदर्शन किया।



द लॉरेंस स्कूल, सनावर और द ओल्ड सनावेरियन सोसाइटी की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित इस प्रतियोगिता में 3 से 6 किलोमीटर लंबे क्रॉस-कंट्री ट्रैक पर मुकाबले हुए। इस दौरान प्रतिभागियों को खड़ी चढ़ाइयों, तीखे मोड़ों और ढलान वाले रास्तों पर साइकिल चलाने की चुनौती का सामना करना पड़ा।

अन्य वर्गों में द लॉरेंस स्कूल, सनावर की उर्मी भट्ट ने जूनियर गर्ल्स कैटेगरी में पहला स्थान हासिल किया, जबकि ओपन विमेन कैटेगरी में सुरभि विजेता रहीं। आयम और अश्विन ने एमेच्योर अंडर-16 और ओपन कैटेगरी में बाजी मारी। शिरेश बिष्ट को हार्टेक्स एक्सट्रीम X शील्ड कप से सम्मानित किया गया, जबकि 12 वर्षीय कारिक शर्मा को मोस्ट प्रॉमिसिंग राइडर का पुरस्कार मिला।

हरियाणा की पहचान केवल उपलब्धियों से नहीं, बल्कि कर्म, कर्तव्यनिष्ठा और सांस्कृतिक मूल्यों की समृद्ध परंपरा से भी है - राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने हरियाणा के गठन के 60 वर्ष पूरे होने पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छह दशकों की यह यात्रा केवल एक नए राज्य के निर्माण और विकास की कहानी नहीं है, बल्कि संघर्ष, श्रम, आत्मसम्मान, कर्तव्यनिष्ठा और सामूहिक संकल्प की ऐसी गाथा है, जिसने प्रदेश को राष्ट्रीय पटल पर विशिष्ट पहचान दिलाई है। हरियाणा की असली ताकत यहां की मिट्टी से जुड़े वे जीवन मूल्य हैं, जो किसान के परिश्रम, सैनिक के साहस और खिलाड़ी के अनुशासन में दिखाई देते हैं।

राज्यपाल रविवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हीरक जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी भी उपस्थित रहे।

उन्होंने इस ऐतिहासिक अवसर पर



प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं तथा समारोह की गरिमा बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही, मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और उनकी टीम के प्रयासों की सराहना की।

कुरुक्षेत्र की धरती का संदेश आज भी प्रासंगिक

प्रो. असीम कुमार घोष ने हरियाणा की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि इसी पावन भूमि पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का उपदेश दिया था। गीता में निहित निष्काम कर्म, कर्तव्य और धर्म का संदेश आज भी मानव जीवन को दिशा देने की क्षमता रखता है। हरियाणा के सामाजिक चरित्र में भी इसी कर्मप्रधान दर्शन की झलक दिखाई देती है। यहां का किसान बिना थके खेतों में परिश्रम करता है, सैनिक निस्वार्थ भाव से राष्ट्र की सीमाओं की रक्षा करता है और खिलाड़ी अपने अनुशासन एवं समर्पण से देश का गौरव बढ़ाता है। ये सभी हरियाणा की उस जीवंत परंपरा के प्रतीक हैं, जिसमें कर्म को सर्वोच्च स्थान दिया गया है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा ने कृषि प्रधान राज्य के रूप में भारत की हरित क्रांति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज यह राज्य कृषि, उद्योग, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और खेल के क्षेत्र में अग्रणी है। गुरुग्राम की गगनचुंबी इमारतों से लेकर गांवों के अखाड़ों तक, हरियाणा ने यह साबित किया है कि परंपरा और आधुनिकता साथ-साथ चल सकती हैं।

राज्यपाल ने कहा कि जब भारत वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तो हरियाणा को भी निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहना चाहिए। वर्ष 1966 की प्रति व्यक्ति आय की तुलना में वर्ष 2025-26 में हरियाणा की प्रति व्यक्ति आय लगभग 3,95,618 रुपये होने का अनुमान है, जो राज्य की शानदार समावेशी प्रगति को दर्शाता है।

विश्वविद्यालयों को ज्ञान के साथ चरित्र निर्माण का भी केंद्र बनना होगा

राज्यपाल ने युवाओं और शिक्षण संस्थानों की भूमिका पर विशेष बल देते हुए कहा कि युवा हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे पूरी लगन के साथ अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रयास करें, नवाचार को अपनाएं और ईमानदारी से समाज की सेवा करें। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय जैसे शिक्षण संस्थानों की विशेष जिम्मेदारी है।

हरियाणा अपने पूरे सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल नेटवर्क को डिजिटल मैप पर लाएगा, एक क्लिक पर मिलेंगी अस्पतालों की जानकारी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार अपने सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के नेटवर्क को एक सिंगल डिजिटल मैप पर लाने की तैयारी कर रही है। इससे नागरिक एक क्लिक के माध्यम से अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, उप-स्वास्थ्य केंद्रों और आयुष सुविधाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, साथ ही नीति निर्माताओं को पूरे राज्य में स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे और सेवाओं की कमियों का स्पष्ट चित्र मिल सकेगा।

जियोग्राफिकल इंफॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस) मैपिंग के जरिए विकसित इस पहल का उद्देश्य स्वास्थ्य, आयुष और चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभागों के स्वास्थ्य संस्थानों से जुड़ी जानकारी को एक एकीकृत मंच पर लाना है, ताकि बिखरे हुए विभागीय रिकॉर्ड्स की जगह एक अधिक सुलभ और समन्वित सूचना प्रणाली स्थापित की जा सके।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने रविवार को यहां एक बैठक में इस कार्य की प्रगति की समीक्षा की, जहां हरियाणा भर की स्वास्थ्य सुविधाओं के जीआईएस मैपिंग डेटा को प्रस्तुत किया गया।

उन्होंने बताया कि इस मैपिंग प्रक्रिया से डिजिटल इंटरफेस के माध्यम से किसी भी स्वास्थ्य सुविधा की भौगोलिक स्थिति, बुनियादी संस्थागत जानकारी और तस्वीरें प्राप्त करना संभव हो जाएगा, जिससे राज्य के स्वास्थ्य नेटवर्क से जुड़ी जरूरी जानकारियां एक ही जगह पर मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि डॉ. मिश्रा ने स्वास्थ्य विभाग के डेटा को एक ही मंच पर समेकित करने और जहाँ भी संभव हो, जानकारी जनता तक उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल दिया। इस कदम का उद्देश्य पारदर्शिता और सुगमता में सुधार करना है, साथ ही सरकारी विभागों को स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के बारे में अधिक सूचित और सटीक निर्णय लेने में सक्षम बनाना है।

उन्होंने कहा कि नागरिकों के लिए, एक सार्वजनिक रूप से सुलभ प्रणाली सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों का पता लगाने और अपने क्षेत्रों में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में बुनियादी जानकारी प्राप्त करने की प्रक्रिया को आसान बना सकती है। वहीं प्रशासकों के लिए, इसी प्लेटफॉर्म से स्वास्थ्य नेटवर्क का एक व्यापक भौगोलिक विवरण मिलने की उम्मीद है, जिससे उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलेगी जहां बुनियादी ढांचे में सुधार, अतिरिक्त निवेश या कड़ी निगरानी की आवश्यकता है।

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने स्वामी श्रद्धानंद जी के योगदान को किया नमन

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि गुरुकुल कुरुक्षेत्र महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक एवं शिक्षाविद् स्वामी श्रद्धानंद जी के विचारों, आदर्शों और संकल्पों की जीवंत धरोहर है। स्वामी श्रद्धानंद जी ने इसी भूमि से शुद्धि आंदोलन को गति दी और स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भी यहां से महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र, समाज और जीवन मूल्यों की स्थापना के लिए समर्पित कर दिया। आचार्य देवव्रत रविवार को कुरुक्षेत्र स्थित गुरुकुल में आयोजित 114वें स्थापना वर्ष समारोह एवं स्वामी श्रद्धानंद जी के बलिदान की शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित 'बलिदान शताब्दी समारोह' को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष, मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रतिनिधियों सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

आचार्य देवव्रत ने कहा कि गुरुकुल की शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि उन्हें शारीरिक रूप से बलवान, मानसिक रूप से सक्षम, संस्कारवान और चरित्रवान बनाना है। गुरुकुल के विद्यार्थी ही असली मायने में 'जेन जी' हैं, क्योंकि वे शिक्षा के साथ अनुशासन, संस्कार और जीवन मूल्यों को भी आत्मसात करते हैं। उन्होंने बताया कि गुरुकुल के 125 विद्यार्थियों ने एनडीए के माध्यम से सेना में अधिकारी बनने की उपलब्धि हासिल की है, जो संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि गुरुकुल कुरुक्षेत्र स्वामी श्रद्धानंद जी के विचारों और उनके द्वारा शुरू किए गए शिक्षा एवं समाज सुधार के कार्यों को आगे बढ़ा रहा है। गुरुकुल में करीब 1500 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं और यहां के विद्यार्थियों ने आईआईटी सहित देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में दाखिले हासिल किए हैं। गुरुकुल की अनुशासित दिनचर्या, शारीरिक सुदृढ़ता और संस्कार विद्यार्थियों को शिक्षित, संस्कारित एवं आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। स्वामी श्रद्धानंद जी के आदर्शों की झलक गुरुकुल के विद्यार्थियों में देखी जा सकती है।

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने स्वामी श्रद्धानंद जी के जीवन को सत्यनिष्ठा, निर्भीकता, सेवा, त्याग और आत्मबलिदान का अद्वितीय उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद जी महर्षि दयानंद सरस्वती की महान परंपरा के तेजस्वी प्रतिनिधि थे।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु हरियाणा के कुरुक्षेत्र में आयोजित हीरक जयंती समारोह में सम्मिलित हुईं

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारत की राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मु रविवार को कुरुक्षेत्र, हरियाणा में राज्य के गठन के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित हीरक जयंती समारोह में शामिल हुईं। इस अवसर पर, उन्होंने हीरक जयंती के लोगो को भी लॉन्च किया। समारोह में हरियाणा के राज्यपाल प्रो असीम कुमार घोष, मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी भी उपस्थित रहे।



अपने संबोधन में, राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय संस्कृति के विकास में हरियाणा के इस क्षेत्र का उल्लेखनीय योगदान रहा है। गीता का अमर संदेश इसी धरती से समस्त विश्व में फैला था। भारतीयता को गौरव प्रदान करने वाली इस पुण्य भूमि को राष्ट्रपति ने प्रणाम किया। उन्होंने भारत की प्रगति-यात्रा के अनेक आयामों में सार्थक योगदान देने वाले हरियाणावासियों को भी बधाई दी।

राष्ट्रपति ने कहा कि भगवान कृष्ण के निष्काम कर्मयोग का अमर संदेश सारे विश्व में फैलाने वाली इस धरती ने आधुनिक युग में भी मानवीय पराक्रम के अनेक कीर्तिमान स्थापित किये हैं। इसकी संतानों ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर सामाजिक परिवर्तन, लोकतंत्र, साहित्य और विज्ञान के क्षेत्रों में सार्थक योगदान किया है। राव तुलाराम का अदम्य साहस, दीनबंधु सर छोटूराम की किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्धता, पंडित नेकीराम शर्मा की राष्ट्रसेवा और दादा लखमीचंद की लोक-सांस्कृतिक साधना हरियाणा की अमूल्य विरासत हैं। उन्होंने कहा कि बीसवीं सदी में हरियाणा के प्रथम शहीदों में गिने जाने वाले अंबाला के कांशीराम जी सैन फ्रांसिस्को में लाला हरदयाल के साथ मिलकर गदर पार्टी स्थापित करने वालों में से एक थे। भारत लौटने के लगभग एक वर्ष बाद ब्रिटिश सरकार ने 1915 के इसी नवंबर माह में उनको फाँसी दे दी थी।

जीत के बाद अग्रवाल भवन पहुंचे पूर्व महापौर कुलभूषण गोयल, नवनिर्वाचित टीम को दी बधाई

पंचकूला। पंचकूला अग्रवाल सभा के चुनाव में जगमोहन गर्ग और उनकी टीम की जीत के बाद पूर्व महापौर कुलभूषण गोयल अग्रवाल भवन पहुंचे और नवनिर्वाचित टीम के सभी सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।



इस अवसर पर कुलभूषण गोयल ने कहा कि अग्रवाल सभा का चुनाव भाईचारे का चुनाव था, जो शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने प्रधान निर्वाचित जगमोहन गर्ग, महासचिव मुकेश बंसल, मीडिया सचिव राकेश गोयल सहित पूरी टीम को जीत की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि नई टीम के नेतृत्व में अग्रवाल भवन और अग्रवाल सभा के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। कुलभूषण गोयल ने कहा कि किसी भी समाज की मजबूती के लिए सभी को साथ लेकर चलना सबसे जरूरी है। चुनाव में विचारों और पैनलों की अलग-अलग प्रतिस्पर्धा के बावजूद समाज के लोगों ने आपसी भाईचारा बनाए रखा। शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न करवाकर अग्रवाल समाज ने एक मिसाल पेश की है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शक्तिपीठ मां भद्रकाली मंदिर, कुरुक्षेत्र में देशवासियों की सुख, शांति और समृद्धि के लिए की विधिवत पूजा-अर्चना

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि शक्तिपीठ मां भद्रकाली के दरबार में आकर उन्हें असीम शांति और ऊर्जा की अनुभूति हुई है। यह स्थान हमारी सनातन संस्कृति और आस्था का महान केंद्र है।

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां भद्रकाली मंदिर कुरुक्षेत्र में देशवासियों की सुख, शांति, समृद्धि और कल्याण के लिए विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का कुरुक्षेत्र पहुंचने पर हरियाणा के राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और शक्तिपीठ के पीठाध्यक्ष पंडित सतपाल



शर्मा ने मंदिर परिसर में पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया।

राष्ट्रपति ने सबसे पहले मंदिर परिसर में स्थित प्राचीन देवी कूप पर विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की। उन्होंने परंपरा के अनुसार पूजा की और मंदिर की परिक्रमा भी की। इसके उपरांत राष्ट्रपति गर्भगृह में पहुंचीं, जहां उन्होंने मां भद्रकाली की विधिवत पूजा, आरती और मंत्रोच्चारण के साथ प्रार्थना की। उन्होंने माता को पंचामृत, पंचमेवा, नारियल और चुनरी का प्रसाद अर्पित किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के द्वारा वैदिक मंत्रों के बीच मंदिर के पुजारियों ने देश की मंगलकामना के लिए विशेष पूजा संपन्न कराई। पूजा के दौरान पूरा मंदिर परिसर जय माता दी के जयघोष से गूंज उठा।

पूजा-अर्चना के उपरांत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पीठाध्यक्ष पंडित सतपाल शर्मा ने शक्ति का प्रतीक त्रिशूल, माता की प्रतिमा और चुनरी भेंट स्वरूप प्रदान की। उन्होंने माता का आशीर्वाद और प्रसाद भी राष्ट्रपति को दिया और शक्तिपीठ की महिमा और इतिहास के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

हरियाणा अपने पूरे सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल नेटवर्क को डिजिटल मैप पर लाएगा, एक क्लिक पर मिलेंगी अस्पतालों की जानकारी

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार अपने सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के नेटवर्क को एक सिंगल डिजिटल मैप पर लाने की तैयारी कर रही है। इससे नागरिक एक क्लिक के माध्यम से अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, उप-स्वास्थ्य केंद्रों और आयुष सुविधाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, साथ ही नीति निर्माताओं को पूरे राज्य में स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे और सेवाओं की कमियों का स्पष्ट चित्र मिल सकेगा।

जियोग्राफिकल इंफॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस) मैपिंग के जरिए विकसित इस पहल का उद्देश्य स्वास्थ्य, आयुष और चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभागों के स्वास्थ्य संस्थानों से जुड़ी जानकारी को एक एकीकृत मंच पर लाना है, ताकि बिखरे हुए विभागीय रिकॉर्ड्स की जगह एक अधिक सुलभ और समन्वित सूचना प्रणाली स्थापित की जा सके।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने रविवार को यहां एक बैठक में इस कार्य की प्रगति की समीक्षा की, जहां हरियाणा भर की स्वास्थ्य सुविधाओं के जीआईएस मैपिंग डेटा को प्रस्तुत किया गया।

उन्होंने बताया कि इस मैपिंग प्रक्रिया से डिजिटल इंटरफेस के माध्यम से किसी भी स्वास्थ्य सुविधा की भौगोलिक स्थिति, बुनियादी संस्थागत जानकारी और तस्वीरें प्राप्त करना संभव हो जाएगा, जिससे राज्य के स्वास्थ्य नेटवर्क से जुड़ी जरूरी जानकारियां एक ही जगह पर मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि डॉ. मिश्रा ने स्वास्थ्य विभाग के डेटा को एक ही मंच पर समेकित करने और जहाँ भी संभव हो, जानकारी जनता तक उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल दिया। इस कदम का उद्देश्य पारदर्शिता और सुगमता में सुधार करना है, साथ ही सरकारी विभागों को स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के बारे में अधिक सूचित और सटीक निर्णय लेने में सक्षम बनाना है।

उन्होंने कहा कि नागरिकों के लिए, एक सार्वजनिक रूप से सुलभ प्रणाली सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों का पता लगाने और अपने क्षेत्रों में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में बुनियादी जानकारी प्राप्त करने की प्रक्रिया को आसान बना सकती है। वहीं प्रशासकों के लिए, इसी प्लेटफॉर्म से स्वास्थ्य नेटवर्क का एक व्यापक भौगोलिक विवरण मिलने की उम्मीद है, जिससे उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलेगी जहां बुनियादी ढांचे में सुधार, अतिरिक्त निवेश या कड़ी निगरानी की आवश्यकता है।

मंडियों में सुचारू रूप से चल रहा है धान की खरीद और उठान का कार्य

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। जिला में खरीफ सीजन 2026-27 के दौरान सरकारी खरीद एजंसियों द्वारा धान की खरीद का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। अब तब जिला में 74480 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है। वही 57796 मीट्रिक टन धान का उठान किया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि खरीफ सीजन 2026-27 में जिला में दो सरकारी खरीद एजंसियों- हैफेड तथा हरियाणा वेयरहाउसिंग कारपोरेशन द्वारा धान की खरीद की जा रही है। उन्होने बताया कि हैफेड द्वारा पंचकूला अनाज मंडी में 8455 मीट्रिक टन, बरवाला में 23450 मीट्रिक टन और रायपुरानी में 14788 मीट्रिक टन, एचएसआईआईडीसी अलीपुर में 6030 मीट्रिक टन और एचएसआईआईडीसी रायपुरानी में 2816 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है। इसी प्रकार हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा बरवाला में 9880 मीट्रिक टन और रायपुरानी में 9061 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई। उन्होंने बताया कि वहीं हेफेड द्वारा पंचकूला अनाजमंडी से 4316 मीट्रिक टन, बरवाला अनाज मंडी मे 17750 मीट्रिक टन, रायपुरानी अनाजमंडी से 11939 मीट्रिक टन और एचएसआईआईडीसी अलीपुर द्वारा 5350 मीट्रिक टन धान और एचएसआईआईडीसी रायपुरानी से 2237 मीट्रिक टन धान का उठान किया गया।

भारत को बांग्लादेश नहीं बनने देंगे, जनादेश पर हावी नहीं होने देंगे भीड़तंत्र: धर्मेंद्र प्रधान

हिन्द जनपथ

फरीदाबाद(ब्यूरो)। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जनता का विश्वास हासिल करने में असफल हो रहे लोग अब संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाकर अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रहे हैं। लोकतंत्र में सरकार जनता के आशीर्वाद और जनादेश से बनती है। दबाव, दादागिरी और अराजकता के सहारे सत्ता हासिल करने की सोच स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि भारत को बांग्लादेश नहीं बनने दिया जाएगा और देश के जनादेश पर भीड़तंत्र को हावी नहीं होने देंगे।



रविवार को फरीदाबाद में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि देश की मालिक जनता है। जनता की इच्छा और उसके निर्णय से ही देश चलेगा। चुनाव में हार मिलने पर जनता के बीच जाकर अपनी कमियों को समझने के बजाय चुनाव आयोग, न्यायपालिका और संसद जैसी संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक जिम्मेदारी से बचने का प्रयास है।

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ विशाल पदयात्रा का भव्य आयोजन केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर के संय